अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 156 लखनऊ, शनिवार, 20 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया, जो 24 दिसंबर तक चलेगा। सत्र के दौरान 22 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसी दिन 'वंदे मातरम' विषय पर पांच घंटे की विशेष चर्चा भी प्रस्तावित है। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि पहले दिन दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा। 22 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा और 'वंदे मातरम' पर विशेष चर्चा होगी। 23 और 24 दिसंबर को विधायी कार्य एवं अन्य चर्चाएं संपन्न कराई जाएंगी। शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विधान भवन में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल और असम जायेंगे, विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल और असम के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को जायेंगे । वे नादिया जिले के राणाघाट में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। असम में गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। डिब्रूगढ़ के नामरूप में वे असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी की अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए भूमि पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी कल सुबह बंगाल पहुंचेंगे और दोपहर में गुवाहाटी जायेंगे।

जनता जानती है कौन हैं माफिया पालने वाले लोग : योगी

● मुख्यमंत्री ने किया 137.83 करोड़ रुपये की लागत से बने गोरखनाथ ओवरब्रिज का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पूर्ववर्ती सपा सरकार और इसके मुखिया का नाम लिए बिना माफिया से संबंध को लेकर जोरदार शाब्दिक प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश की पहचान पर संकट खड़ा करने वाले माफिया को पालने वाले कौन लोग हैं इसे जनता जानती है।

योगी शुक्रवार शाम 137.830करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गोरखनाथ ओवरब्रिज का लोकार्पण करने के बाद यहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज आरोप.प्रत्यारोप लगाने वालों की माफिया के साथ फोटो टेलीविजन पर दिखाई दे रही है। वे माफिया से गिफ्ट लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने प्रदेश की पहचान पर बदनुमा दाग लगाया था। उन्होंने हर जिले में माफिया पालकर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया दिया था।

मुख्यमंत्री ने भाजपा की डबल इंजन सरकार में विरासत, विकास और जन कल्याण के कार्यों का विस्तार से उल्लेख करने के साथ पूर्व की सरकार को विकास की बजाय माफिया को बढ़ावा देने के लिए जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार कि नीयत खराब थी। उस सरकार में बैठे लोगों ने विकास के पैसे का बंदरबाट किया। परिवार का खजाना भरने के चक्कर में प्रदेश का खजाना खाली कर दिया। योगी ने कहा कि जो लोग परिवार तक सीमित हों, उनसे विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती। 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में यही होता था।

योगी ने कार्य करने की दृढ़ इच्छाशक्ति से प्रदेश में आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि जब नीयत ठीक हो तो नियंता भी सहयोग करते हैं।

नववर्ष की भीड़ को खिचड़ी मेला प्रबंध का रिहर्सल मानें अधिकारी: योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में प्रशासन, पुलिस, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेला, गोरखपुर महोत्सव की तैयारियों तथा जिले में जारी विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने खिचड़ी मेले की तैयारियों को लगभग पूर्ण जानकर उन्होंने संतोष जताया और साथ ही कहा कि नववर्ष के पहले दिन उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ प्रशासन के लिए खिचड़ी मेला के प्रबंध के रिहर्सल के रूप में होगी। इस दिन के प्रबंध से खिचड़ी मेला की तैयारियों को भी भौतिक रूप से परखने का अवसर मिल जाएगा।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही 1 दिसंबर से शुरू हुई थी। लोकसभा अध्यक्ष ने आज सुबह 11 बजे कार्यवाही की शुरुआत में अपने संदेश में कहा कि 18वीं लोकसभा के छठे सत्र में 15 बैठकर हुई। इस सत्र की उत्पादकता 111 प्रतिशत रही। इसके बाद वंदेमातरम के साथ कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सदन में मौजूद रहे। संसद के शीतकालीन सत्र के समाप्ति के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने चैंबर में राजनीतिक दलों के नेता और सदस्यों से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए । इमसें नाभिकीय उर्जा और मनरेगा से जुड़ा विधेयक शामिल रहे। इसके अलावा सदन में वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने और चुनाव सुधारों पर भी चर्चा हुई। सत्र के दौरान 10 सरकारी विधेयक पेश किए गए और 8 विधेयक पारित किए गए। इसमें मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, विनियोग (संख्या 4) विधेयक, निरसन एवं संशोधन विधेयक, सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक, विकसित भारत - रोजगार की गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण): वीबी-जी राम जी विधेयक शामिल है।

साइकिल से विधानसभा पहुंचे सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा

कफ सिरप मामले पर सरकार को घेरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को समाजवादी पार्टी के स्नातक खंड से निर्वाचित एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने कफ सिरप मामले को लेकर सरकार के खिलाफ अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। वह साइकिल चलाकर विधानसभा परिसर पहुंचे और साइकिल पर 'जादुई कफ सिरप' लिखा हुआ कटआउट लगाया था। आशुतोष सिन्हा ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देशभर में यह चर्चा का विषय है कि जहरीले कफ सिरप के सेवन से गरीब परिवारों के बच्चों की मौत

हुई, जबकि इस अवैध कारोबार से जुड़े लोग करोड़ों-अरबों रुपये कमाकर विदेश भाग गए। उन्होंने कहा कि सरकार इस गंभीर मामले पर चुप्पी साधे हुए है और अब तक दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सपा एमएलसी ने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और मानवता से जुड़ा गंभीर मामला है। उन्होंने कफ सिरप प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों को सजा दिलाने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की। विधानसभा परिसर में साइकिल से किया गया यह विरोध प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा। विपक्ष ने सरकार पर दवा माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया, जबकि सत्तापक्ष ने इन आरोपों को निराधार बताया।

योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य और संतुलन का मार्ग दिखाया: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के साथ शुक्रवार को परंपरागत चिकित्सा पर आयोजित दूसरे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वैश्विक सम्मेलन का समापन हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में तीन दिनों तक चले इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर से आए पारंपरिक चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने गहन और सार्थक विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस घेब्रेयेसस, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें खुशी है कि भारत पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद मंच के रूप में उभर रहा है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए डब्ल्यूएचओ, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और सम्मेलन में शामिल सभी प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए सौभाग्य और गर्व की बात है कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना गुजरात के जामनगर में हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में पहले वैश्विक सम्मेलन के दौरान दुनिया ने भारत पर भरोसा जताते हुए यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी।

श्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग है। योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का मार्ग दिखाया है। उन्होंने बताया कि भारत के प्रयासों और 175 से अधिक देशों के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। आज योग दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच चुका है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने योग के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले लोगों को प्रधानमंत्री पुरस्कार भी प्रदान किये।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि आज दिल्ली में डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व (साउथ-ईस्ट) क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने इसे भारत की ओर से दुनिया को दिया गया एक विनम्र उपहार बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय शोध, नियम निर्धारण और क्षमता निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

श्री मोदी ने आयुर्वेद पर बात करते हुए कहा कि इसमें संतुलन को ही स्वास्थ्य माना गया है। उन्होंने कहा कि आज ''संतुलन बहाल करना'' (रिस्टोरिंग बैलेंस) आज वैश्विक आवश्यकता बन चुका है।

एक और एके शर्मा न बन जाएं पंकज चौधरी

अभयानंद शुक्ल, समन्वय सम्पादक

● प्रदेश में भाजपा के नये अध्यक्ष पंकज चौधरी ने योगी के पैर छुए तो चर्चाओं का बाजार गर्म
● गोरखपुर की स्थानीय राजनीति में योगी और पंकज में सम्बन्ध अच्छे न होने की चर्चाएं
● योगी आदित्यनाथ की मर्जी के बिना क्षेत्रीय राजनीति में नहीं पनप पाया कोई भाजपाई

लखनऊ। इतिहास गवाह है कि गोरखपुर की राजनीति में योगी आदित्यनाथ की मर्जी के बिना कोई भाजपाई पनप नहीं पाया। गोरखपुर की राजनीति में वही हुआ जो योगी ने चाहा। चाहें वह राधामोहन दास अग्रवाल हों, शिवप्रताप शुक्ल हों, या फिर उपेन्द्र शुक्ल, जो भी योगी की आंखों में खटका वह राजनीति में हाशिए पर चला गया। ये अलग बात है कि उन्हें केंद्र की कृपा मिली तो थोड़ा खड़ा होने का मौका मिल गया, लेकिन गोरखपुर की राजनीति में नहीं बढ़ पाया। पंकज चौधरी के अध्यक्ष बनने के बाद पैर छूने के बाद भी लोग कह रहे हैं कि ये दूसरे एके शर्मा साबित होंगे, क्योंकि पैर तो एके शर्मा ने भी छुए थे। लेकिन जिस काम के लिए एके शर्मा उत्तर प्रदेश लाए गए थे, वह मुकाम आज भी एक शर्मा को नहीं मिल पाया। योगी को जानने वाले लोग यही कहते हैं कि योगी वटवृक्ष हैं, इसलिए उनके नीचे कोई पेड़-पौधा पनप नहीं सकता।

प्रदेश के नये भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पद ग्रहण करने के बाद जब सीएम योगी के पैर छुए तो सब भौंचक रह गए। एक तो भाजपाई संस्कार में पार्टी अध्यक्ष मुख्यमंत्री से सीनियर माना जाता है, और दूसरा क्षेत्रीय राजनीति में दोनों के बीच सम्बन्ध सामान्य न होने की खबरें। इसके बाद से लोग ये सवाल पूछने लगे हैं कि पैर तो छुए, आशीर्वाद भी मिला क्या? लोग कहने लगे हैं कि आने वाले समय में प्रदेश भाजपा की राजनीति में कुछ बड़ा होने के संकेत हैं। ये बात सभी जानकार मानते हैं कि आगे चलकर योगी और पंकज के बीच सम्बन्ध सामान्य नहीं रहने वाले हैं। उनका मानना है कि यह असली पिक्चर नहीं है। पंकज चौधरी ने अध्यक्ष के रूप में पार्टी का झंडा संभालने के बाद सबसे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के पैर छुए। वैसे तो सौहार्द दिखाने और किसी मठाधीश के पैर छूने के लिहाज से कदम अच्छा है, पर पार्टी के प्रोटोकॉल में इसे अनुचित कहा जा रहा है। भाजपा में संगठन को सत्ता से ऊपर कहा जाता है। और इस बात को लोकसभा चुनाव हारने के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पार्टी मंचों पर और बाहर भी ज़ोर शोर से उठाया था। इसे लेकर योगी और केशव में तल्खियां भी दिखीं थी। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने इस पर खूब मजे भी लिए थे। ऐसे में मंच पैर छूने पर सवाल उठ रहे हैं। यानी फिलहाल तो हार्मनी दिखाई गई, पर कितने दिनों तक रहेगी महत्वपूर्ण यही सवाल है। सवाल यह भी है कि क्या यह निर्णय सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के दबाव में हुआ है या फिर योगी को दबाने के लिए हुआ है।

अंदरखाने खबर यही है कि महाराजगंज के सांसद पंकज चौधरी के परिवार का गोरखनाथ पीठ से कोई ऐसा संबंध नहीं रहा है, जो बहुत अच्छा कहा जाए। लोकल राजनीति में दोनों दो ध्रुव बताए जाते हैं। राजनीति में वैसे भी संकेतों की भाषा ही अधिक चलती है। महाराजगंज जिले में पंकज के परिवार का दबदबा बताया जाता है। पंकज चौधरी के साथ खास बात यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब एक बार गोरखपुर दौरे पर थे तो उनके घर भी गए थे। और यहीं से चर्चाओं का बाजार गर्म हो जाता है। पंकज मोदी-शाह के खास बताए जाते हैं और शायद यही उनके और सीएम योगी के बीच खराब संबंध की बुनियाद भी बन सकता है। इसका उदाहरण प्रदेश के मंत्री एके शर्मा हैं। जिस प्रकार उनके आने के बाद खबरें उठी थीं कि उनको कोई बड़ा काम मिलेगा। लोगों ने उन्हें नया सीएम तक घोषित कर दिया था। पर योगी आदित्यनाथ ने उनका क्या हाल किया, ये सबके सामने है। वैसे

पंकज चौधरी सात बार के सांसद हैं। वर्ष 2027 में होने वाले के विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत भाजपा ने प्रदेश की राजनीति में बड़ा सोचा-समझा कदम उठाते हुए पीडीए फार्मूले की काट के लिए कुर्मी कार्ड खेल दिया है। पिछड़ों में यादवों के बाद दूसरा सबसे बड़ा वर्ग कूर्मि है। बीते आम चुनाव में कुर्मियों के पार्टी के दूर हो जाने को देखते हुए पार्टी का यह निर्णय महत्वपूर्ण है। और इस बदलाव से यूपी की 50 सीटों पर भाजपा को फायदा मिलने की उम्मीद है। पंकज चौधरी के निर्वाचन के लिए प्रस्तावकों में ठाकुर, ब्राह्मण, पासी, भूमिहार, दलित और ओबीसी समाज के नेताओं को शामिल कर भाजपा ने सामाजिक समरसता का भी संदेश देने की कोशिश की। प्रस्तावकों में खुद मुख्यमंत्री योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान, नगर विकास मंत्री एके शर्मा, सांसद कमलेश पासवान के अलावा समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण भी शामिल रहे।सूत्र बताते हैं कि योगी बिल्कुल नहीं चाहते थे कि गोरखपुर क्षेत्र में सत्ता का कोई और केंद्र बने। इसी कारण कभी गोरक्षपीठ के खास रहे राज्यसभा सांसद राधामोहन दास अग्रवाल भी अब उनके खास नहीं हैं। गोरखपुर से विधायक रहे और अब हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल भी योगी के चलते ही गोरखपुर से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ पाए और राज्यसभा के रास्ते संसद जाना पड़ा। हालांकि मोदी की कृपा से केंद्र में मंत्री बने। इसमें एक नाम उपेंद्र शुक्ल का भी है। चर्चा है कि योगी के नहीं चाहने की वजह से वे भाजपा की अजेय मानी जाने वाली गोरखपुर सीट से सांसद का चुनाव हार गए थे। ये तब की बात है जब योगी मुख्यमंत्री बने तो उनकी खाली सीट पर उपचुनाव हुआ था।

खैर, पंकज चौधरी महाराजगंज लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने जा चुके हैं। ये तब भी चुने गए जब देश में भाजपा चुनाव हार गई थी, और यूपीए सरकार बनी थी। कुर्मी समुदाय से आने वाले पंकज चौधरी का परिवार भी राजनीति से जुड़ा रहा है। उनकी मां उज्ज्वला चौधरी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार उनके लंबे राजनीतिक सफर को देखते हुए पंकज चौधरी का निर्विरोध चयन भाजपा की रणनीतिक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। वैसे उनके आलोचक कहते हैं पंकज चौधरी को संगठन चलाने का अनुभव नहीं है। यह भी कहा जाता है कि अपने जिले के बाहर वे राजनीति में कोई बड़ा नाम भी नहीं हैं। ऐसे में शायद उन्हें केंद्र के रबर स्टाम्प के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। और इसी बहाने योगी आदित्यनाथ को यह मैसेज भी है कि प्रदेश संगठन पर केंद्रीय नेतृत्व का दबदबा बना रहेगा। और यहीं से पावर गेम शुरू होने का खतरा है। इसमें एक और बात उल्लेखनीय है। 30 मई 2024 को एक सभा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि आप पंकज चौधरी को सांसद बनाइए, हम इनको बड़ा आदमी बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि ये बहुत अनुभवी सांसद हैं और इनके अनुभव का लाभ पार्टी और सरकार को मिलना ही चाहिए। ऐसे में योगी और पंकज में कितना अच्छा संबंध होगा, यह देखने वाली बात होगी। क्योंकि योगी केंद्र का दखल नहीं चाहते हैं और करते वही हैं, जो वे चाहते हैं।

वादकारी अधिक पढ़ा नहीं होता, उससे कानून के बारीकियों की उम्मीद नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि वादकारी अधिक पढ़ा-लिखा नहीं होता, उससे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि उसे कानून की बारीकियों और अनुकम्पा नियुक्ति के लिए लागू नियमों की जानकारी हो। जबकि प्रशासनिक अधिकारियों की वैधानिक जिम्मेदारी है कि अपना काम पूरी सावधानी पूर्वक करें। याची को अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगतने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। कोर्ट ने राज्य सड़क परिवहन निगम को दो हफ्ते में नियमानुसार कार्रवाई कर 7 जनवरी तक कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने अमित कुमार सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

हिजाब विवाद: आयुष डॉक्टर नुसरत परवीन सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में देंगी योगदान

एजेंसी

पटना। बिहार में हाल ही में आयुष डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान हिजाब से जुड़ा मामला काफी चर्चा में रहा। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई और विपक्ष ने इसे जोर-शोर से उठाया। कई राज्यों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भी दर्ज कराई गईं। हालांकि, जिस आयुष महिला चिकित्सक से यह पूरा मामला जुड़ा था, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति किसी भी तरह की नाराजगी से इनकार किया है।आयुष डॉक्टर नुसरत

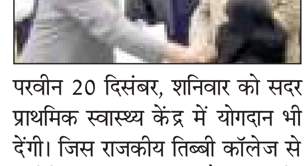

परवीन 20 दिसंबर, शनिवार को सदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में योगदान भी देंगी। जिस राजकीय तिब्बी कॉलेज से उन्होंने पढ़ाई पूरी की है, वहां के प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद महफजुर रहमान ने मीडिया से बातचीत में बताया कि डॉ. नुसरत की अपने मित्र बिल्किस परवीन से बातचीत हुई है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाराज नहीं हैं।

तेज गश्ती पोत 'अमूल्य' भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में शामिल

● भारत के पूर्वी समुद्री तट की सुरक्षा में कोस्ट गार्ड की भूमिका मजबूत होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। तेज गश्ती पोत 'अमूल्य' को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने आज अपने समुद्री बेड़े में शामिल कर लिया। स्वदेशी रूप से विकसित इस जहाज से भारत के समुद्री इलाकों में लंबे मिशन पूरे किए जा सकते हैं। इस पोत को ओडिशा के पारादीप में तैनात किया जाएगा, जिससे भारत के पूर्वी समुद्री तट की सुरक्षा में कोस्ट गार्ड की भूमिका मजबूत होगी।

आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि गोवा में शुक्रवार को हुए कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमिताभ प्रसाद ने तेज गश्ती पोत 'अमूल्य' को औपचारिक रूप से आईसीजी में शामिल किया। 'अमूल्य' का मतलब 'अनमोल' है, जो देश के समुद्री हित के लिए सुरक्षित और साफ समुद्र सुनिश्चित करने की आईसीजी की इच्छा और प्रतिबद्धता को दिखाता है।

प्रदेश में 4,09,444 किसानों से ख़रीदा गया धान, आंकड़ा 25 लाख मीट्रिक टन के पार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीद को लेकर योगी सरकार की नीतियों का असर धरातल स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। प्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद को किसान हितों से जोड़ते हुए न केवल खरीद प्रक्रिया को तेज किया है, बल्कि भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष धान खरीद में किसानों की भागीदारी बढ़ी है और ऑनलाइन केंद्रों के माध्यम से व्यवस्था को सुदृढ़ हुई है। किसानों की भागीदारी के लिहाज से भी यह वर्ष महत्वपूर्ण रहा है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2025-26 में धान खरीद से अब तक 4,09,444 किसान सीधे जुड़े हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 3,73,840 थी। यह वृद्धि बताती है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के बनाए गए भरोसे और सरल प्रक्रियाओं का सकारात्मक असर किसानों में दिख रहा है। अभी तक के आकड़ों पर गौर किया जाये तो वर्तमान विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक धान की खरीद का कुल आंकड़ा 2,50,2149.60 मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। धान खरीद के साथ-साथ सरकार ने डिजिटल व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी है। किसान पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने से बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त हुई है। भुगतान के मोर्चे पर भी सरकार ने संतुलित और जिम्मेदार रुख अपनाया है। अब तक 5569.97 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। धान खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रदेश में 4,743 ऑनलाइन खरीद केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जो पिछले वर्ष के 4,347 केंद्रों की तुलना में अधिक हैं। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को उनके घर के निकट ही अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल रही है। किसान पंजीकरण की बात करें तो 19 दिसंबर 2025 तक धान के लिए कुल 8,82,988 किसानों का पंजीकरण हुआ जिसमें से 6,68,698 किसानों का सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है। पिछले वर्ष इसी समय सीमा में 7,13,600 किसानों का पंजीकरण हुआ था और 6,10,135 किसानों का सत्यापन किया गया था। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि इस वर्ष न केवल पंजीकरण बढ़ा है बल्कि सत्यापन की गति भी तेज हुई है। प्रदेश में वर्ष 2025-26 में अब तक 1,72,109.30 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हो चुकी है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 81,058.91 मीट्रिक टन था। बाजरे के कुल 41,568 किसानों ने चालू वर्ष में बिक्री की जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 15,096 थी। ज्वार की चालू वर्ष में खरीद 26,448.60 मीट्रिक टन रही। ज्वार के 7,814 किसानों ने इस वर्ष सरकारी खरीद प्रणाली के अंतर्गत फसल बेची जो पिछले वर्ष 7,282 किसानों से अधिक है। ज्वार किसानों को 91.49 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। ज्वार के लिए 82 क्रय केंद्र ऑनलाइन माध्यम से संचालित किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में नहीं हो पायेगा फर्जी मतदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में अगले साल होने पंचायत चुनाव में फर्जी मतदान को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग ने दो बड़े फैसले लिए हैं। पंचायत चुनाव में तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि फर्जी मतदान किस संभावना को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। हर मतदाता का फ़ेसियल रिकग्निशन होगा और हर मतदाता का स्टेट वोटर नंबर होगा।मीडिया से मुखातिब राज्य निर्वाचन आयुक्त आरपी सिंह ने बताया कि तकनीक के इस्तेमाल से फर्जी मतदान को रोका जाएगा।यह चुनाव प्रक्रिया में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव होगा। इसके तहत हर मतदान केंद्र पर मतदाता के चेहरे की पहचान की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति दूसरे की जगह वोट डालने की कोशिश करेगा तो सिस्टम उसे तुरंत पकड़ लेगा।चुनाव आयुक्त ने बताया कि इस बार पंचायत चुनाव में हर मतदाता को विशिष्ट स्टेट वोटर नंबर अलॉट किया जाएगा।यह विशेष मतदाता नंबर डाटा प्रबंधन में त्रुटियों को खत्म करेगा। अगर एक ही व्यक्ति के दो जगह वोटर लिस्ट में नाम है तो इस स्टेट वोटर नंबर से उसकी तुरंत पहचान हो जाएगी। मतदाता पुनरीक्षण के दौरान इस बार 40 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं। वोटर लिस्ट रिवीजन में प्रदेश में 1,81,96,367 नए मतदाताओं को जोड़ा गया, 1,41,76,809 अयोग्य मतदाताओं के नाम कटे गए।फाइनल लिस्ट में 40 लाख 19 हजार 558 मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है जो कि पिछली बार की तुलना में 3,2 फीसदी अधिक है। फाइनल वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद मतदाता अपना नाम चेक कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा में सपा विधायक सुधाकर सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया गया। सदन ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही को सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सपा के माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सुधाकर सिंह एक लोकप्रिय और कार्यकुशल जनप्रतिनिधि थे। उन्होंने कहा कि जनता के बीच उनकी गहरी पैठ थी और उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। माता प्रसाद पांडेय ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि पार्टी के प्रति उनका योगदान अतुलनीय रहा है। श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पूर्व मंत्री और विधायक राजा भैया, कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' और बहुजन समाज पार्टी में सदन के नेता उमाशंकर सिंह भी शामिल रहे। सभी ने सुधाकर सिंह के निधन को राजनीति और जनसेवा के क्षेत्र में बड़ी क्षति बताया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही विधानसभा क्षेत्र घोसी के सपा विधायक 67 वर्षीय सुधाकर सिंह का उपचार के दौरान मेदांता अस्पताल लखनऊ में निधन हो गया था । विधायक सुधाकर सिंह दो दिन पहले मुख्तार अंसारी के बेटे मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के छोटे भाई उमर अंसारी के वैवाहिक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर दिल्ली से लौट रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि यह 18 वीं विधानसभा का तीसरा सत्र आज से शुरू हो रहा है। दुर्भाग्य से हमारे एक माननीय सदस्य का निधन हो गया था जिस पर उनको श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम है इसके बाद सदन स्थगित हो जाएगा। 22 तारीख सोमवार से 24 तारीख तक अन्य विधायक कार्यों के साथ सदन पूरी तन्मयता के साथ चलाया जाएगा।

क्रिसमस-न्यू ईयर पर डेढ़ घंटे ज्यादा चलेगी लखनऊ मेट्रो, रात 12 बजे तक करें यात्रा

लखनऊ। क्रिसमस (25 दिसंबर) और नए साल (1 जनवरी) पर लखनऊ मेट्रो शहरवालों की सुविधा बढ़ाएगा। आम दिनों की तरह रात 10.30 बजे के बजाय रात 12.00 बजे तक मेट्रो चलेगी। इससे यात्रियों को करीब डेढ़ घंटे अतिरिक्त सेवा मिलेगी और देर रात तक सफर करने वालों को राहत होगी। मेट्रो प्रशासन के मुताबिक, क्रिसमस और न्यू ईयर पर मॉल, चर्च, पार्क, रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ती है। लोग देर रात तक जश्न और घूमने-फिरने के लिए बाहर रहते हैं, जिससे सड़कों पर ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या बढ़ जाती है। इससे राहत दिलाने के लिए यह डिसीजन लिया गया। पिछले तीन सालों के आंकड़े भी बताते हैं कि इन खास दिनों में मेट्रो यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2022 में करीब 1.20 लाख यात्रियों ने क्रिसमस और न्यू ईयर के आसपास मेट्रो से सफर किया था। 2023 में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.45 लाख तक पहुंच गई, जबकि 2024 में करीब 1.70 लाख से ज्यादा यात्रियों ने मेट्रो का इस्तेमाल किया। इन आंकड़ों से साफ है कि हर साल इन दिनों मेट्रो पर यात्रियों का दबाव बढ़ रहा है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा उनकी प्राथमिकता है। देर रात तक मेट्रो चलने से लोग सुरक्षित तरीके से अपने घर पहुंच सकेंगे। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त स्टाफ और सुरक्षा व्यवस्था भी तैनात की जाएगी ताकि संचालन सुचारू बना रहे। चारबाग मेट्रो स्टेशन रेलवे स्टेशन से जुड़ा होने की वजह से सबसे व्यस्त रहता है। यहां रोजाना लंबी दूरी की ट्रेन से आने-जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ ऑफिस और बाजार जाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में मेट्रो पकड़ते हैं। त्योहारों और छुट्टियों में यहां सबसे ज्यादा दबाव रहता है। शहर का मुख्य बाजार और कॉमर्शियल हब होने के कारण हजरतगंज स्टेशन पर दिनभर भीड़ रहती है। क्रिसमस और न्यू ईयर पर मॉल, रेस्टोरेंट और शॉपिंग के चलते देर रात तक यात्रियों की आवाजाही बनी रहती है। आलमबाग मेट्रो स्टेशन बस अड्डे और आवासीय इलाकों से जुड़ा होने की वजह से भारी भीड़ रहती है, खासकर शाम और रात के समय त्योहारी दिनों में चारबाग और हजरतगंज पर सबसे ज्यादा यात्रियों का दबाव देखा जाता है।

बाइक सवार पर पीछे से चढ़ा ट्रक,राजमिस्त्री की ऑन स्पॉट मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बाइक सवार राजमिस्त्री पर पीछे से ट्रक चढ़ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वहां ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है और शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भेज दिया। मामला काकोरी कोतवाली क्षेत्र का है। किसान पथ आउटर रिंग रोड स्थित उदित खेड़ा अंडरपास पर यह हादसा हो गया। मृतक की पहचान दूल्हागंज, थाना काकोरी निवासी विनोद यादव (45) पुत्र स्वर्गीय पुत्ती लाल यादव के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। विनोद अपनी मोटरसाइकिल यूपी 32 केएम 9163 से काम पर जा रहे थे। उदित खेड़ा अंडरपास के पास पहुंचे तो ट्रक यूपी 38 टी 4097 पीछे से उनको कुचल दिया। स्थानीय लोगों की सहायता से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक अपना वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के घर में पत्नी नीलम, दो बेटियां पलक-पायल और एक बेटा शिवा है।

तीन साल की बच्ची के सिर में लगी गोली, डॉक्टरों ने 5 घंटे तक ऑपरेशन कर निकाली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव में छत पर खेल रही बच्ची के सिर में गोली लग गई। गोली कहां से आई, किसने चलाई ये पता नहीं चल पाया। इतनी गनीमत रही कि गोली टिन शेड को चीरते हुए आई थी इसलिए उसमें फोर्स काफी कम हो गया था जिससे बच्ची की जान बच गई। बच्ची के पिता ने थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 घंटे तक ऑपरेशन कर उसके सिर से गोली निकाल ली। अभी बच्ची ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में भर्ती है। बच्ची रमेश की बेटी लक्ष्मी है। गाजीपुर थाना क्षेत्र के बस्तौली गांव निवासी रमेश ने बताया कि उनकी 3 वर्षीय बेटी लक्ष्मी घर की छत पर बने टीन शेड के नीचे भाई सौभाग्या (8) और हिमांश (7) के साथ खेल रही थी। इसी दौरान अचानक तेज आवाज हुई और लक्ष्मी के सिर से खून निकलने लगा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर सब लोग घबरा गए और तुरंत उसे मेघना अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सिर में टांके लगाए गए। रात में बच्ची की तबीयत फिर बिगड़ने पर परिजन उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची के सिर में गोली फंसी हुई है। अस्पताल में बेड न होने के कारण उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर में सीटी स्कैन के बाद बच्ची का ऑपरेशन कर सिर से गोली निकाल दी गई। फिलहाल बच्ची का इलाज जारी है। पीड़ित पिता रमेश ने बताया कि बच्ची को गोली कहां से लगी और किसने चलाई इसका पता नहीं चला पाया है। पीड़ित ने इस मामले की गाजीपुर थाने में शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। गोली कहां से आई और किसने चलाई इन तमाम पहलुओं पर काम किया जा रहा है। दादा विक्की ने बताया कि बड़े भाई रमेश की बेटी परिवार के दो और बच्चों के साथ छत पर खेल रही थी। एकदम से काफी तेज आवाज आई। आवाज इतनी तेज थी कि अगल-बगल के लोगों को भी सुनाई दी। उसके बाद बच्चे के सर से खून निकलने लगा। उसके साथ खेलने दोनों बच्चे भी रोने लगे हैं। उनकी आवाज सुनकर परिवारीजन जब छत पर पहुंचे तो देखा खूनी खून था। उसके बाद उसको लेकर के अस्पताल भागे हम लोगों को लगा कि खेल खेल में चोट लग गई होगी। नजदीकी अस्पताल में ले गए जहां उसकी ड्रेसिंग करवाने के साथ डॉक्टर ने टांके लगाकर वापस भेज दिया। शाम को फिर उसकी हालत बिगड़ी तब उसको लोहिया अस्पताल ले गए जहां पता चला कि गोली लगी है। कल रात में करीब 8.00 बजे उसको ऑपरेशन के लिए ले गए और रात 1.00 बजे तक उसका ऑपरेशन चला। गोली कहां से आई इसका कोई आइडिया ही नहीं है। यह तो तब पता चला जब सीटी स्कैन हुआ। परिजनों का कहना है कि जब वह बच्ची को लेकर के नजदीकी मेघना हॉस्पिटल लेकर पहुंचे तो स्टाफ ने चोट समझकर टांका लगा दिया और ड्रेसिंग करके भेज दिया। परिजनों कहना है कि अस्पताल अगर समय से सीटी स्कैन या दूसरी जांच करवा लेता है तो बच्ची का इलाज और पहले से शुरू हो जाता। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस जब छत पर गई तो उसने देखा कि टिन पर गोली का निशान है। पुलिस ने इसके बाद आसपास के घरों से भी पूछताछ की। अभी तक की जांच में सामने आया है कि परिवार या आसपास के घरों में किसी के पास लाइसेंसी हथियार नहीं है। ऐसे में पुलिस के लिए मामला पहेली बन गया है।

वीआईपी ड्यूटी पर तैनात पीएसी जवान की मौत, मचा हड़कंप

लखनऊ। लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र में वीआईपी गार्ड ड्यूटी पर तैनात पीएसी जवान की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना निवासी पीएससी जवान गुलजार अली गुरुवार शाम 6 बजे ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने कमरे में सोए थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक जवान के पिता ने बताया कि गुलजार 2019 में 49वीं वाहिनी पीएससी में भर्ती हुए थे। मिली जानकारी के अनुसार, जब गुलजार अली दोबारा ड्यूटी पर नहीं पहुंचे, तो उनके साथी वीरेंद्र ने कमरे में जाकर देखा। वह अचेत अवस्था में मिले और उनके शरीर में कोई प्रतिक्रिया नहीं थी। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है। मृतक जवान के पिता शराफत अली ने बताया कि गुलजार 2019 में 49वीं वाहिनी पीएससी में भर्ती हुए थे। उन्हें गुरुवार शाम फोन पर गुलजार की हार्ट अटैक से मौत की सूचना मिली।

विधानसभा सत्र के चलते चोक हुईं राजधानी की सड़कें, चारबाग से मुंशीपुलिया तक रेंगे वाहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चलते लखनऊ की सड़कों पर जाम नजर आया। सत्र को लेकर पुलिस ने हजरतगंज के 9 मार्गों पर डायवर्जन किया है। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई। सुबह दफ्तर और जरूरी कामों के लिए निकलने वाले लोग घंटों फंसे रहे, जबकि कई मार्गों पर वाहनों की रफ्तार पैदल चलने से भी धीमी रही। चारबाग से मुंशीपुलिया तक वाहन रेंगते रहे। बता दें कि यह डायवर्जन 24 दिसंबर तक रहेगा। हालांकि, इस दौरान इमरजेंसी सेवाओं को राहत देते हुए ऐंबुलेंस, शव वाहन, दमकल वाहन और स्कूली बसों को डायवर्ट रूट से गुजरने की अनुमति रहेगी। विधानसभा सत्र को देखते हुए चारबाग से केकेसी की ओर डायवर्जन लागू किया गया, जिसके तहत शहर के बीचों-बीच भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। इसका सीधा असर आसपास की सड़कों पर पड़ा और वैकल्पिक मार्गों पर अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया। सुबह के समय इस मार्ग पर लंबा जाम लग गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। हजरतगंज और हुसैनगंज इलाके में जाम की स्थिति और गंभीर रही। लोहिया पथ होते हुए मुंशीपुलिया चौराहे तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई जगहों पर वाहन घंटों तक रेंगते रहे और लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र भी जाम में फंसे नजर आए। शुक्रवार सुबह विधानसभा सत्र के चलते अचानक बदली गई ट्रैफिक व्यवस्था से ऑफिस जाने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। कई कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल पहुंचने में सामान्य से दोगुना समय लग गया। कुछ लोग रास्ते में जाम से बचने के लिए बार-बार रूट बदलते नजर आए, लेकिन उन्हें भी राहत नहीं मिल सकी। जाम से बचने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने शहीद पथ का रुख किया। खासतौर पर हाई कोर्ट और आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहन चालक शहीद पथ होते हुए निकलते दिखे। हालांकि यहां भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ा, लेकिन शहर के अंदरूनी इलाकों की तुलना में आवाजाही अपेक्षाकृत सुचारु रही।

मॉकड्रिल-लखनऊ में ट्रेनें टकराईं, बोगियों में आग, एनडीआरएफ ने रेस्क्यू किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग में दो ट्रेनों में भीषण टक्कर हो गई। कुछ बोगियों में आग भी लग गई। ट्रेनों में बैठे यात्री बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर तत्काल आरपीएफ, जीआरपी और एनडीआरएफ के जवान पहुंच गए। जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यात्रियों को बाहर निकालने के लिए खिड़कियां तोड़ीं और ड्रिल करके बोगी की बॉडी भी काटी। यह कोई सच घटना नहीं बल्कि उत्तर रेलवे की तरफ से की गई मॉक ड्रिल का सीन था। उत्तर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना और किसी भी रेल दुर्घटना की स्थिति में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करना है। ऐसे अभ्यास भविष्य में भी नियमित रूप से कराए जाएंगे, ताकि आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉनऽ2025 में एसआरएमयू का परचम, छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल कर रचा इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय (एसआरएमयू) के लिए यह अत्यंत गर्व और गौरव का क्षण है।विश्वविद्यालय के होनहार छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित तकनीकी प्रतियोगिता स्मार्ट इंडिया हैकाथॉनऽ2025 में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि न केवल छात्रों की प्रतिभा और मेहनत को दर्शाती है, बल्कि एसआरएमयू की नवाचार आधारित और उद्योगोन्मुख शिक्षा प्रणाली की सशक्त पहचान भी स्थापित करती है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन इस वर्ष बेंगलुरु स्थित रामैय्या अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय में किया गया, जहां देशभर के शीर्ष तकनीकी शिक्षण संस्थानों की सर्वश्रेष्ठ टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। ऐसे उच्च स्तरीय राष्ट्रीय मंच पर एसआरएमयू के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया। इस सफलता के नायक बने कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रणाली विभाग के अंतर्गत स्नातक बीसीए पाठ्यक्रम के छात्रों की टीम ल्लअंडरकवर कोडर्सङ्क टीम में बीसीए के शौर्य मेहरा, हर्ष पाठक, नमन शरण यादव, आकाश सिंह, अंशिका पाल,दीपांशु धर और बी.टेक के छात्र आकाश त्रिवेदी, आलोक सिंह, यशवातिका गुप्ता, सौम्या मेहरोत्रा, हर्ष केशरवानी और आद्रिका मिश्रा शामिल हैं। सीमित समय, जटिल चुनौतियों और तीव्र प्रतिस्पर्धा के बीच छात्रों ने अपनी तकनीकी दक्षता, नवाचारी सोच और उत्कृष्ट टीमवर्क से निर्णायकों को खासा प्रभावित किया। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन युवाओं की रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता और तकनीकी कौशल की वास्तविक परीक्षा मानी जाती है। इस प्रतियोगिता में एसआरएमयू की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय अपने छात्रों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मंच पर नेतृत्व करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। इस सफलता में कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रणाली विभाग के शिक्षकों और मार्गदर्शकों का मार्गदर्शन एवं सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विजेता टीम को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को पूरे संस्थान के लिए प्रेरणास्रोत बताया।श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के शैक्षणिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है, जो यह संकेत देती है कि आने वाले समय में भी यहां के छात्र देश और समाज के लिए तकनीकी नवाचार के नए कीर्तिमान स्थापित करते रहेंगे।कुलपति प्रो.विजय तिवारी, कंप्यूटर साइंस एवं इनफार्मेशन सिस्टम विभागाध्यक्ष प्रो.बिनीत गुप्ता,कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष शोभित सिन्हा, स्मार्ट इंडिया हैकाथान कोऑर्डिनेटर अभिषेक सक्सेना, इंजी. नीता भूशल, इंजी. सनी यादव समेत विवि के प्राध्यापको ने उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को बधाई दिया।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में जैत्र सिंह ने गणित में स्वर्ण पदक प्राप्त किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि न्यू साउथ वेल्स, सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) स्थित प्रतिष्ठित परामाटा वेस्ट पब्लिक स्कूल के कक्षा-2 के छात्र जैत्र सिंह ने गणित विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 15 दिसंबर 2025 को जैत्र ने सिडनी में अध्ययनरत विभिन्न देशों से आए विद्यार्थियों को पीछे छोड़ते हुए गणित उपलब्धि स्वर्ण पदकऽ2025 प्राप्त किया। यह उपलब्धि जैत्र की असाधारण प्रतिभा, परिश्रम और अनुशासन का प्रमाण है, जिसने केजी व प्रथम वर्ष में भी गोल्ड मैडल लाकर न केवल अपने विद्यालय में बल्कि अपने परिवार और लखनऊ का भी नाम गौरवान्वित किया है। जैत्र सिंह, श्री सौरभ सिंह एवं श्रीमती दीपिका सिंह के सुपुत्र हैं, जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में कार्यरत हैं। वे भारत के प्रतिष्ठित वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक तथा स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक डॉ. भरत राज सिंह के पौत्र हैं।

बलिदान दिवस को क्रांति दिवस के रूप में मनाकर देशभक्ति को किया उत्प्रेरित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव के नेतृत्व में शहिद उद्यान में एकत्रित होकर मां भारती के वीर सपूत काकोरी एक्शन के महानायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान एवं राजेंद्र नाथ लहरी के पावन बलिदान दिवस के अवसर पर शहीद उद्यान में स्थापित शहीद ज्योति स्तंभ पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उक्त अग्रणी अमर क्रांतिकारी की सौर्य गाथा बलिदान को स्मरण करते हुए भारत माता वंदे मातरम के गगन भेजी जय घोष के साथ राष्ट्र रक्षा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर संयुक्त अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिवसेवक गुप्त जय शिव ने कहा वास्तव में 9 अगस्त 1925 को काकोरी एक्शन के अमर क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान एवं राजेंद्र नाथ लहरी सहित दस क्रांतिकारियों ने सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन में रखे खजाने को काकोरी में मां भारती को आजाद करने के लिए, सशस्त्र क्रांति का बिगुल फूँकने का आगाज करते हुए अंग्रेजी साम्राज्य का खजाना लूट लिया और 19 दिसम्बर 1927 को उक्त स्वाधीनता संग्राम के अग्रदूत महानायकों ने फाँसी के फंदे को हंसते-हंसते चुम कर मां भारती की गोद में सदा सदा के लिए चिर निद्रा में सो गए श्री गुप्त ने बताया काकोरी कांड एक्शन के महानायकों के बलिदान एवं शौर्य

गाथा से प्रभावित होकर भारतीय युवा पीढ़ी के हृदय में देश पर मर मिटने का जज्बा पैदा हुआ। संयुक्त अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन डॉ० खुनखुन अवस्थी एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता संघ हरदोई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता जयप्रकाश गुप्ता जी ने कहा 19 दिसम्बर 1927 को उक्त कर अग्रदूत महानायकों को फाँसी एवं शेष क्रांतिकारियों को आजीवन कारावास हुआ था काकोरी कांड ने वास्तव में अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला कर रख दी थी और आखिरकार सोई हुई जनता ने मां भारती को 15 अगस्त 1947 को आजाद करने का अद्वतीय अद्भुत कार्य किया, जिसे कभी राष्ट्र भूल नहीं सकता।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता सूरजपाल सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव मिश्रा, अधिवक्ता अनिल मिश्रा, अधिवक्ता नीरज मिश्रा, अधिवक्ता छोटेलाल राजपूत, जिला संगठन मंत्री अधिवक्ता शुभम गुप्ता, जिला मंत्री अधिवक्ता अमर सिंह, अधिवक्ता अंकित गुप्ता, अधिवक्ता आशुतोष पाठक, अधिवक्ता रामबहोरन मिश्रा, जिला मंत्री अधिवक्ता विनय कुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह, अधिवक्ता प्रशांत शेखर पाल सिंह अधिवक्ता राघवेंद्र वर्मा सहित सैकड़ो संयुक्त अधिवक्ता परिषद के कार्यकर्ता में पदाधिकारी ने बलिदान दिवस को क्रांति दिवस के रूप में मनाकर देशभक्ति को उत्प्रेरित किया।

जन सुनवाई में डीएम ने सुनी 46 शिकायतें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 46 शिकायते प्राप्त हुईए जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहें।

रजाई, गद्दे ठीक हो और सफाई के लिए कर्मचारियों की तैनाती करें:. प्रियंका सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस देर रात अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह ने भीषड़ शीत लहरी के दृष्टि गत नगर पालिका परिषदए शाहाबाद द्वारा बनवाये गये रैन बसेरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने ईओ को निर्देश दिये कि रैन बसेरों में महिला व पुरूष के लिए अलग-अलग व्यवस्था करायें तथा रैन बसेरों में रजाई, गद्दे ठीक हो और साफसफाई के लिए कर्मचारियों की शिफ्टों में डियुटी लगाये। उन्होने ईओ से कहा कि रैन बसेरों के पास एवं नगर के मुख्य.मुख्य चौराहों आदि स्थानों पर आम लोगों की राहत के लिए अलाव जलवायें और रैन बसेरों में आने वाले यात्रियों एवं असहाय लोगों से कर्मचारी अच्छा व्यवहार करें।

डीएम ने की सड़क सुरक्षा की बैठक दिए आवश्यक निर्देश

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए जरूरी उपायों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में खराब सड़क, पुल, पुलिया का मरम्मत, दुर्घटनाजन्य क्षेत्र में विशेष सांकेतिक लगाने, मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। दुर्घटना वाले क्षेत्रए सड़क के आसपास तत्काल चिकित्सा सुविधा, एम्बुलेंस प्रदान करने के निर्देश सीएमओ को दिए। ब्लैक स्पॉट पर रोशनी करनेए रेडियम रिफलेक्टर लगाने, खराब एवं गड्ढे युक्त सड़कों को मरम्मत किए जानेए सड़क दुर्घटनाओं के कारणों संबंध में चर्चा हुई एवं आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे

ज्ञानोत्सव 2.0 प्रतियोगिता का भव्य परिणाम घोषित

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड पिहानी के क्षेत्र डेल पंडरवा में ज्ञानेक्सिया शैक्षणिक मंच द्वारा आयोजित ज्ञानोत्सव 2.0

प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 14 दिसंबर को किया गया, जिसमें कुल 90 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का परिणाम 19 दिसंबर को घोषित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिकर्ष पुत्र अवनीश कुमार ग्राम पनैनी, द्वितीय स्थान सार्थक पुत्र विजय कुमार ग्राम मझिला तथा तृतीय स्थान आदित्य शुक्ला पुत्र रमेश चंद्र ग्राम बरखेरिया ने प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थी क्रमशः नेशनल प्रथम अकादमी, जे०बी० गंज, खीरी एवं गुलाब सिंह मेमोरियल गुरुकुल अकादमी, बरखेरिया जाटए खीरी के छात्र हैं। सभी को ट्रॉफी, स्वर्ण पदक एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जबकि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 20 विद्यार्थियों को भी स्वर्ण पदक देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक प्रतियोगिताएं ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित रहे मुख्य अतिथि दिलीप मिश्रा, विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान मुकेश द्विवेदी, ज्ञानेक्सिया मंच के संस्थापक निखिल प्रजापति, रामजी द्विवेदी, शिखर प्रजापति, रोली वर्मा, निधि प्रजापति, अंकित प्रजापति, तनु प्रजापति सहित अन्य सदस्य।

राजपाल कश्यप के जन्मदिन पर फल, दूध, बिस्किट का किया वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड हरदोई के जिलाध्यक्ष परिवेश श्रीवास्तव कुक्कू ने अपने साथियों के साथ पूर्व एमएलसी/ प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग राजपाल कश्यप के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर फल, दूध, बिस्किट आदि का वितरण शहर के सरकारी अस्पताल महिला विभाग में कर के लंबी उम्र की कामना की। इस मौके पर मो० सिराज, शबाज ख़ान, सर्वेश सक्सेना, शशि सक्सेना, सोनू सक्सेना, रोहित कुमार, अभिषेक यादव, मोनू, वीर सिंह, चिमना, मो० गुफरान, शादाब मिर्ज़ा, शिवनंदन यादव, शिवम शर्मा, मुलायम यादव, रवि शर्मा आदि समाजवादी लोग उपस्थित रहे।

नेशनल हेराल्ड मामले में अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के ख़िलाफ़ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के धन शोधन आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार किए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज भारतीय जनता पार्टी के हरदोई कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विक्रम पांडेय व शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित के नेतृत्व में कार्यकर्ता जैसे ही बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़ेए लखनऊ चुंगी के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का.मुक्की की स्थिति भी बनी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचाव के मद्देनज़र भारी पुलिस बल तैनात रहा। घटना के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष विक्रम पांडेय ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं की छवि ख़राब करने का प्रयास कर रही है। कहा, कांग्रेस कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीक़े से विरोध दर्ज कराने जा रहे थे, लेकिन जिला प्रशासन ने दुर्भावनापूर्ण तरीक़े से उन्हें रोक दिया। सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा एक राजनीतिक कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित था।

सूचना मिलने पर कोतवाली देहात और कोतवाली शहर पुलिस ने एहतियातन सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। और मामले में आवश्यक क़ानूनी कार्रवाई जारी है।

बाइक चालक पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ग्राम अमरनगर मजरा खटेली निवासी साइकिल सवार युवक को टक्कर मारकर घायल करने वाले बाइक चालक के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित वीरपाल पुत्र अर्जुन के अनुसार उसका भाई पिंटू 13 दिसंबर को शाम को 4 बजे कुल्हावर ईट भट्ठे के निकट से साइकिल से घर आ रहा थाए तभी बरगावां की ओर से आ रहे तेज रफ्तार बाइक के चालक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। 108 एंबुलेंस से सीएचसी पिहानी ले जाया गया। जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। उसके भाई को इलाज के लिए जिला अस्पताल से ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर किया गया। जहां उसका इलाज हुआ। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

धमकी देने वाले पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम मझिला निवासी एक युवक ने पिहानी थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक के विरुद्ध जान से मार डालने की धमकी दिए जाने की लिखित तहरीर देकर पिहानी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित मानवेंद्र सिंह पुत्र हरिराम कृष्ण सिंह के अनुसार पिहानी थाना क्षेत्र के तिलक पुरवा मजरा अमिरता चौकी क्षेत्र निवासी परमेश्वर दीन पुत्र रनवीर ने 20 नवंबर को फोन कर उसे जान से मार डालने की धमकी दी, जिसकी रिकार्डिंग उसकी पेन ड्राइव में मौजूद है। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बिजली विभाग द्वारा, सभी विद्युत उपभोक्ताओं के लिए लगाया जाएगा कैम्प

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विद्युत विभाग द्वारा बकाया बिलों में राहत देने के उद्देश्य से 19 दिसम्बर 2025 को खालेपुरवा भूड़ मड़ैया

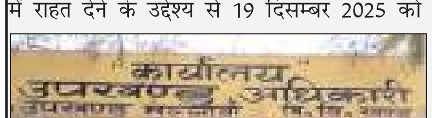

लश्गरीपुर में विद्युत कर्मचारियों द्वारा कैंप लगाया जाएगा जिसमें बिजली बिल राहत योजना 2025-26 के तहत योजना के अनुसार उपभोक्ताओं को बिजली बिल के मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी तथा पूरा बकाया ब्याज मुक्त जमा किया जाएगा जिन विद्युत उपभोक्ताओं का बिल अभी तक नहीं जमा हुआ है वह अपने विद्युत बिल को जमा कर दें, और खराब मीटर के लिए अप्लीकेशन देकर अपना मीटर सही करवा लें विद्युत कर्मचारी सहित एसडीओ साहब, जेई साहब, विमलेश बाबू, कुलदीप, वीरेंद्र द्विवेदी, प्रमोद लाइनमैन, राकेश लाइनमैन, सहित कई विद्युत कर्मचारी कैंप में उपस्थित रहेंगे। बकाया बिजली के बिल का भुगतान अवश्य करें। छूट का पूरा लाभ प्राप्त करें।

गिने चुने स्थानों पर ही अलाव जला रही है नगर पालिका, भीषण कोहरे और ठंड से परेशान है आम जन

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोहरे और ठंड का सितम लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर पालिका परिषद द्वारा अलाव के नाम पर केवल खाना पूर्ति की जा रही है। गिने चुने स्थानों पर ही अलाव की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है जिससे आम आदमी और निचले तबके का वर्ग काफी परेशान है। शुक्रवार को शहर का न्यूनतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस रहा है। पूर्वाह्न 11रू00 के बाद बाजारों में दुकानों के शटर उठे। तीन दिन से ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। कोहरे का सितम भी अपनी चरम सीमा पर है। विजुअलिटी कम होने की वजह से वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है लेकिन प्रशासनिक स्तर से ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किये जा रहे हैं। शुक्रवार का दिन काफी ठंडा दिन रहा। नगर के प्रमुख बाजार पुरानी गल्ला मंडीए बस स्टैंडए बड़ी बाजारए सदर बाजारए सब्जी मंडीए नवीन गल्ला मंडी एवं घंटाघर में ०9:00 बजे तक सन्नाटा पसरा रहा । कोहरे और ठंड के कारण लोग घरों में दुबके रहे। 11:00 बजे के आसपास बाजारों में दुकानों के शटर उठे और रौनक दिखाई पड़ी। शाम को ०5:00 बजे से ही बाजारों में सन्नाटा पसर गया। केवल मेन मार्केट में ही चहल.पहल का दौर कायम रहा। नगर पालिका प्रशासन ने ठंड से राहत प्रदान करने के लिए गिने चुने स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कराई है। शेष स्थानों पर अलाव का कोई इंतजाम नहीं किया गया। जिससे आमजन काफी परेशान है और ठंड में ठिठुरता हुआ देखा जा सकता है। ईरिक्शा चालकों और ठेली वालों को अलाव की पर्याप्त व्यवस्था न होने की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

चौपाल में सहायक पुलिस अधीक्षक ने ग्राम सुरक्षा समिति सदस्यो से संवाद किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम आदमपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों से संवाद किया, जिसमें 'हम सबकी निगरानी गांव की जिम्मेदारी' के तहत सड़क सुरक्षा, मिशन शक्ति, साइबर अपराध और अपराधियों पर नजर आदि के संबंध में चर्चा की गई।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस अधीक्षक नारायण ने ग्रामीणों से संवाद किया। ग्राम चौपाल में चर्चा करते हुए अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने पर विचार विमर्श किया गया। सरकार द्वारा चलाए जा मिशन शक्ति के फेज 5 के लिए गांव की महिलाओं और बच्चों को जागरूक किया गया। उन्होंने बच्चों के मन में पुलिस को लेकर जो भय है उसको दूर करने के लिए बच्चों से संवाद स्थापित कर उनका हौसला बढ़ाया। हर गांव में जाने के लिए तीन या चार रास्ते होते हैं इंट्रेंस पर सीसीटीवी कैमरे कैमरे लगाने से काफी हद तक अपराधों को रोका जा सकेगा। पुलिस और आम नागरिक के बीच विश्वास बढ़े, ग्राम सुरक्षा समितियां सक्रिय रहें इसके अलावा साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्त समाज, और बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल देते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों के सुझाओं को भी सहायक पुलिस अधीक्षक ने सुना। सहायक पुलिस अधीक्षक श्री नारायण ने बताया कि जनपद की सभी चौकियों को रिपोर्टिंग चौकी बनाया गया है। शाहाबाद सर्किल में भी जामा मस्जिद, सरदारगंज, आंझी, आलमनगर, उधरनपुर और पाली नगर की चौकी पर अब फरियादियों की रिपोर्ट दर्ज की जा सकेगी। पीड़ितों को अब रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए थाने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बजरिया में 94 बंदर पकड़े गए

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पालिका परिषद द्वारा बंदरों को पकड़ने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। शुक्रवार को सुबह ०8:00 बजे से दोपहर ०1:00 बजे तक बजरिया मोहल्ले में जाल लगाकर 94 बंदरों को पकड़ा गया जिन्हें गोला गोकर्णनाथ के जंगलों में छोड़ा गया। पिछले 20 दिनों से मथुरा से आई हुई बंदरों को पकड़ने वाली टीम बंदर पकड़ने का कार्य कर रही है। बड़ी संख्या में बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जा चुका है। शुक्रवार को बजरिया मोहल्ले में पालिका कर्मचारी रंजीत सिंह की देख देख में मथुरा की टीम ने जाल लगाकर 94 बंदरों को पकड़ा। पिछले काफी दिनों से बंदरों के बढ़ते हुए आतंक के कारण शहर के लोग काफी परेशान थे। तमाम महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बंदरों के हमलों से घायल हो चुके थे। जनता की अपील पर अधिशासी अधिकारी द्वारा बंदरों को पकड़ने के लिए मथुरा से यह टीम बुलाई गई है।

जाल में बंद पकड़े गये बंदर

नोटिस निस्बत दिखाने वजह के (नमूना आम)
श्रीमान् सिविल जज (जू0डि0) पश्चिमी महोदय हरदोई

व अदालत **मुकाम**
मुकदमा नं0- 1666 **सन् 2024** **ई0**

रजवन्त कुमार नीरज **बनाम** सरोज कुमार आदि

हरगाह मुशम्मी **मै दरख्वास्त इस अदालत से गुजराई है कि**

1. सरोज कुमार, 2. विनोद कुमार पुत्रगण रामलाल, निवासीगण-ग्राम बर्राडाल सिंह, मजरा बल्लीपुर, परगना-बंगर, तहसील व जिला-हरदोई ।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो बवक्त 10 बजे बतारीख 12 माह 02 सन् 2026 ई0 इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखलाईये। अगर आप ऐसा न कर सके तो दरख्वास्त मजबूरन आपके गेर हाजिर में समाप्त हो जायेगी। आज बतारीख 19 माह 12 सन् 2025 ई0 को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत में जारी किया गया।

सिविल जज (जू0डि0) पश्चिमी, हरदोई।

नोटिस निस्बत दिखाने वजह के (नमूना आम)
उपजिला अधिकारी महोदय, सवायजपुर हरदोई

ता0 पेशी: 30.12.2025 ई0

व अदालत **मुकाम**
मुकदमा नं0- T 202410330506726 **सन् 20** **ई0**

श्रीमती सुदामा देवी **बनाम** अनिल कुमार सिंह आदि

हरगाह मुशम्मी **मै दरख्वास्त इस अदालत से गुजराई है कि**

1. अनिल कुमार सिंह पुत्र नैपाल सिंह, 2. अमरेश कुमार सिंह पुत्र नैपाल सिंह, 3. अवधेश कुमार सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह, 4. उमेश कुमार सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह, 5. कमलेश कुमार सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह, 6. देवेश कुमार सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह, 7. मुनेन्द्र कुमार सिंह पुत्र बैजनाथ सिंह, 8. राजेश कुमार सिंह पुत्र नैपाल सिंह, 9. पप्पू पुत्र नैपाल सिंह, सर्व निवासीगण ग्राम-बरन्डारी, परगना-साण्डी, तहसील-सवायजपुर, जिला-हरदोई ।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो बवक्त बजे बतारीख माह सन् 20 ई0 इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखलाईये। अगर आप ऐसा न कर सके तो दरख्वास्त मजबूरन आपके गेर हाजिर में समाप्त हो जायेगी। आज बतारीख 30 माह 12 सन् 2025 ई0 को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत में जारी किया गया।

उपजिला अधिकारी सवायजपुर, हरदोई।

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतरू संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों-ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा-निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी-तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति-नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करना भी एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई।

तुलसी गौड़ा: मौन की महत्ता और जंगल की आत्मा

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज जिस दुनिया में हर उपलब्धि को फ़्लैश लाइट, कैमरा और सोशल मीडिया की चमक से मापा जाता है, वहाँ एक वास्तविक नायक का जन्म होना और जीवनभर जीना- यह किसी लोककथा से कम नहीं है। तुलसी गौड़ा- वह नाम जिसे धरती ने सींचा, जंगल ने अपनाया और हवा में हर पत्ती के स्वरूप में जीवन का संदेश छोड़ा। वे केवल एक पर्यावरण-सेवी नहीं थीं, बल्कि जंगल की आत्मा हैं–जिसे हम देखते नहीं, पर उसकी साँस महसूस करते हैं। तुलसी गौड़ा का जन्म कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकला तालुक के होनाली गाँव में हुआ था, जो आज भी अपनी प्राकृतिक हरियाली के लिए जाना जाता है। वे हलाक्की आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती थीं, एक समाज जो सदियों से प्रकृति के साथ अपने गहरे रिश्ते को अनुभव और परंपरा के रूप में संजोए हुए है। गरीबी, असमर्थता और सामाजिक सीमाओं के बीच उनका जीवन शुरुआत से ही कठिन रहा। उनके पिता का देहांत तब हो गया था जब वे केवल दो वर्ष की थीं, और उनकी माँ के साथ बचपन से ही उन्हें जंगल की गोद में ही मेहनत करनी पड़ी–किसी औपचारिक शिक्षा का अवसर प्राप्त नहीं हो सका और पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान तो वे कभी सीख ही नहीं पाईं। यही अपरंपरिक पृष्ठभूमि उन्हें प्रकृति की अपार समझ और वनस्पतियों के विस्तृत ज्ञान की ओर ले गई। तुलसी गौड़ा ने जीवन भर जंगल के साथ संवाद किया- कठोर शब्दों में नहीं, बल्कि तमीज़, संवेदना और अनुभव की भाषा में। बचपन से ही जंगल को वह घर के रूप में समझती थीं, पेड़ों को परिवार के सदस्यों की भाँति मानती थीं और मिट्टी की खुशबू को अपनी साँस मानती थीं। उन्होंने लगभग 30,000 से अधिक पौधे स्वयं लगाए और उनकी देखभाल की तथा कई वृक्षों और पौधों के विकास की ऐसी सूक्ष्म बातें जान लीं, जिन्हें पारंपरिक विज्ञान भी सहजता से व्यक्त नहीं कर पाता। इसी वजह से उन्हें पर्यावरण और वनस्पति के क्षेत्र में 'Forest Encyclopedia', यानी जंगल का विश्वकोष कहा गया। उनके जीवन में कर्तव्य कोई विकल्प नहीं था बल्कि धर्म जैसा था। उन्होंने दशकों तक कर्नाटक के विभिन्न वन क्षेत्रों में पौधों की पोषण, जड़ों से पौधों के उद्धार, मिट्टी में जीव वैज्ञानिक संतुलन तथा पेड़ों को थमने और बढ़ने की विधियाँ अपने अनुभव से सीखी और सिखाईं। वे केवल पौधे नहीं लगाती थीं; वे जीवन के स्वरूप को पुनर्स्थापित करती थीं- हर एक पौधे में वह जीवन के कई रूप देखने में सक्षम थीं, इसलिए वन विभाग और स्थानीय समुदाय के लोग उन्हें 'Vriksha Maata' (पेड़ों की माता) के नाम से भी पुकारते थे। उनका यह ज्ञान केवल यांत्रिक वृक्षारोपण का परिणाम नहीं था। वह जंगल की भाषा, मिट्टी की गति, पत्तियों की गिरावट, बीज के अंकन और प्रकृति की अनंत जुड़ाव की भाषा को समझकर आया था। वे मां के दूध की तरह पेड़ों के पोषण को महसूस कर सकती थीं, न कि केवल तकनीक से पढ़ सकती थीं। यही उन सबका सबसे बड़ा योगदान था- उन्होंने हमें यह सिखाया कि प्रकृति को जीना किसी पढ़ाई की किताब से नहीं, बल्कि अनुभव की स्याही से सीखा जाता है।

तुलसी गौड़ा का जन्म कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकला तालुक के होनाली गाँव में हुआ था, जो आज भी अपनी प्राकृतिक हरियाली के लिए जाना जाता है। वे हलाक्की आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती थीं, एक समाज जो सदियों से प्रकृति के साथ अपने गहरे रिश्ते को अनुभव और परंपरा के रूप में संजोए हुए है। गरीबी, असमर्थता और सामाजिक सीमाओं के बीच उनका जीवन शुरुआत से ही कठिन रहा। उनके पिता का देहांत तब हो गया था जब वे केवल दो वर्ष की थीं, और उनकी माँ के साथ बचपन से ही उन्हें जंगल की गोद में ही मेहनत करनी पड़ी–किसी औपचारिक शिक्षा का अवसर प्राप्त नहीं हो सका और पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान तो वे कभी सीख ही नहीं पाईं। यही अपरंपरिक पृष्ठभूमि उन्हें प्रकृति की अपार समझ और वनस्पतियों के विस्तृत ज्ञान की ओर ले गई।

उनका जीवन उसी भावार्थ में आगे बढ़ा- बिना गम के, बिना घोषणा के, बिना किसी शो-ऑफ की चाह के। वे जंगल विभाग की एक अस्थायी स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएँ देने लगीं, जहाँ उन्हें पौधों के नर्सरी का काम सौंपी गई। उनकी लगन, ज्ञान और समर्पण ने उन्हें इतने वर्षों बाद स्थायी पद तक पहुँचा दिया, जहाँ उन्होंने करीब पैंतीस वर्षों तक मजदूरी कार्मिक के रूप में काम किया और उसके बाद पन्द्रह वर्ष के लिए स्थायी कर्मचारी के रूप में वन संरक्षण और हरियाली संवर्धन में कार्य किया। उन्होंने वन विभाग के प्रोजेक्टों को स्थानीय वन्यजीव संरक्षण, आग नियंत्रण और पौधों की प्रजातियों के संरक्षण का एक जीवंत नेटवर्क बनाया। उनके समर्पण और अनुभव के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। वर्ष 2021 में भारतीय सरकार ने उन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया, जो देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए। यह सम्मान राष्ट्रपति के हाथों दिया गया, जिससे वर्षों तक शांतिपूर्वक चल रहे उनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। इसके अलावा उन्हें इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और बाद में धरवाड़ कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट भी प्रदान किया गया- ये सभी सम्मान उनकी सेवा और ज्ञान की विश्वसनीयता को रेखांकित करते हैं। तुलसी गौड़ा ने स्वयं कहा था कि वे जंगल और पेड़ों को ही अपना सबसे बड़ा सम्मान मानती हैं- उनके लिए हर नया अंकुर, हर हरियाली की पत्ती, धरती की हरी मुस्कान थी, जिसे पाना जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य था। उनकी लोकप्रियता का एक बड़ा पहलू यह भी था कि वे स्वयं कभी किसी दिखावे में नहीं आईं। पद्मश्री पाने के अवसर पर भी वे पारंपरिक स्थानीय परिधान और नग्न पाँव (बेरूफूट) में मैदान में पहुँचीं, यह दिखाते हुए कि वास्तविक सेवा किसी औपचारिक कपड़े, मंच या कैमरे की रोशनी की मोहताज नहीं होती। तुलसी गौड़ा का जीवन केवल प्रकृति-सेवा की कहानी नहीं है; यह मानवता की धरती के साथ पुनः जुड़ने की अप्रतिम कथा है। उन्होंने वह किया, जो अक्सर हमारी सभ्यता भूल जाती है- धरती को संबंध, सम्मान और पति-पत्नी के समान गहरा बन्धन देना। आज के समय जब लोग पर्यावरण संरक्षण को केवल दिखावे, पोस्टिंग और प्रतिष्ठा के रूप में देखते हैं, उनका सिर्फ ठहरना ही एक जीवंत प्रश्न बन जाता है-क्या हम वास्तव में प्रकृति को समझते हैं या केवल उसके फोटो में स्वयं को महान दिखाते हैं? तुलसी गौड़ा ने जवाब मौन में दिया। उन्होंने न केवल बीज लगाए बल्कि संस्कार बोए, न केवल पौधे उगाए, बल्कि समझ उपजी, न केवल धरती को हरा किया, बल्कि देश को जागृत किया। जब वे अपने गृह गांव होनाली में अपने घर पर 16 दिसंबर 2024 को 86 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक चल बसें, तब एक युग का अंत नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा का आरंभ हुआ–एक ऐसी प्रेरणा जो हम सभी के भीतर पर्यावरण के प्रति सम्मान की लौ को प्रज्वलित करने की क्षमता रखती है। आज जब विश्व जल-संकट, वायु प्रदूषण और वन विनाश की समस्याओं से घिरा है, तुलसी गौड़ा की याद हमें यह याद दिलाती है कि परिवर्तन केवल बड़े पहलुओं में नहीं, बल्कि व्यक्ति के प्रत्यक्ष, सकुशल और समर्पित कर्म में निहित है। उनके जीवन का संदेश यह है कि असली सेवा दिखावे से नहीं, चुपचाप, निरंतर और समर्पण-भर प्रयास से होती है। उनकी कहानी यह भी दर्शाती है कि प्रकृति और मानव का संबंध केवल नया उद्यान लगाने का नहीं, बल्कि उसे समझने, जीने, बचाने और साझा करने का है। तुलसी गौड़ा ने वह सब किया जिसे हम सामाजिक उत्तरदायित्व कहकर भूल जाते हैं। वे केवल जंगल की विश्वकोश नहीं थीं–वे धरती की आत्मा थीं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि असली नायक वह नहीं जो कैमरे में चमकता है, बल्कि वह जो धरती में जीवन का प्रकाश बनाए रखता है। तुलसी गौड़ा को नमन–उनकी शांति, उनकी समझ और उनकी सेवा को याद रखकर ही हम एक स्थायी और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

भाजपा की राजनीति युवा कंधों पर, कांग्रेस में परिवारवाद और वरिष्ठता हावी

अजय कुमार

राहुल गांधी जब भी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं, तो ऐसा आभास देते हैं मानो अगला प्रधानमंत्री बनना अब बस औपचारिकता भर रह गया हो। लेकिन सियासत भावनाओं से नहीं, आंकड़ों और नतीजों से चलती है। 2014, 2019 और 2024 तीन लोकसभा चुनाव बीत चुके हैं और तीनों में जनता ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद वे उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते दिखते हैं। राजनीति में रिटायरमेंट की कोई तय उम्र नहीं होती, लेकिन लोकतंत्र में जनता बार-बार किसी नेता को नकार दे, तो वह खुद एक बड़ा संकेत होता है। राहुल गांधी आज 55 वर्ष के हैं। अगर वे किसी सरकारी या गैर-सरकारी संस्था में होते, तो अगले पाँच साल में रिटायरमेंट की तैयारी शुरू हो जाती। राजनीति में वे रिटायर नहीं होंगे, लेकिन उनके सामने जो खतरे खड़े हो रहे हैं, वे अब नजरअंदाज करने लायक नहीं रहे। राहुल गांधी के स्वभाव और राजनीतिक शैली पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। नकारात्मक राजनीति उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। कभी चौकीदार चोर है, कभी वोट चोर, कभी गद्दी छोड़ो हर चुनाव के बाद नया नारा, लेकिन नतीजा वही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार उन्हें हर हाल में चोर ही नजर आती है। समस्या यह नहीं कि वे सवाल उठाते हैं, समस्या यह है कि जनता को उनके सवालों में समाधान नहीं दिखता। विपक्ष की भूमिका निभाने और वैकल्पिक नेतृत्व देने के बीच जो फर्क होता है, राहुल गांधी आज भी उसी रेखा को नहीं पकड़ पाए हैं। बीते महीनों में कांग्रेस के भीतर से ही जो आवाजें उठी हैं, वे राहुल गांधी की राजनीति के लिए नए खतरे का संकेत देती हैं। ओडिशा के पूर्व विधायक मोहम्मद मोकीम का पत्र कोई मामूली घटना नहीं थी। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस युवाओं से कटती जा रही है और नेतृत्व में बदलाव की जरूरत है। इसी पत्र में उन्होंने राहुल गांधी पर भी इशारों-इशारों में कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं और युवाओं से कनेक्ट नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस ने आत्ममंथन करने के बजाय मोकीम को निष्कासित कर दिया। यह वही पुरानी कांग्रेस है, जो आईना दिखाने वालों को बाहर का रास्ता दिखा देती है। इंडिया गठबंधन के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर असहजता अब खुलकर दिखने लगी है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वोट चोरी के आरोपों को सार्वजनिक तौर पर खारिज कर दिया। ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव के बाद ही नेतृत्व परिवर्तन की बात कह चुकी हैं। शरद पवार, अखिलेश यादव और लालू यादव जैसे नेता भी निजी बातचीत में यही संकेत देते रहे हैं कि कांग्रेस को अब आत्मकेंद्रित राजनीति छोड़नी होगी। सवाल साफ है अगर अपने ही सहयोगी राहुल गांधी पर भरोसा नहीं कर पा रहे, तो देश कैसे करेगा? राहुल गांधी खुद को युवाओं का नेता बताने की कोशिश करते हैं। वे जेन-जी की बात करते हैं, आंदोलन की वकालत करते हैं, सोशल मीडिया पर युवाओं को संबोधित करते हैं। लेकिन 2029 में जब अगला लोकसभा चुनाव होगा, तब राहुल गांधी 59 वर्ष के होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसकी उम्र आज 13 से 28 वर्ष के बीच है। यह मान लेना कि 60 के करीब पहुंचा नेता किशोरों और युवाओं की मानसिकता का नेतृत्व करेगा, सियासत की हकीकत से आंख चुराने जैसा है। युवाओं को केवल भाषण नहीं चाहिए, उन्हें अवसर, नेतृत्व और भविष्य की स्पष्ट तस्वीर चाहिए जो कांग्रेस आज तक नहीं दे पाई। इसके उलट भारतीय जनता पार्टी ने साफ तौर पर युवा नेतृत्व की ओर शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। दिसंबर 2025 में बिहार के मंत्री और पांच बार के विधायक नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाना सिर्फ एक नियुक्ति नहीं है, यह एक राजनीतिक संदेश है। भाजपा ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य की राजनीति युवाओं के कंधों पर लड़ी जाएगी। संगठन से लेकर सरकार तक, 50 से 55 वर्ष की उम्र के नेताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है। योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस, पुष्कर सिंह धामी, मोहन यादव ये सभी चेहरे दिखाते हैं कि भाजपा लंबी राजनीतिक पारी की तैयारी कर रही है। कांग्रेस की हालत इसके ठीक उलट है। सचिन पायलट जैसे नेता सालों से इंतजार में हैं। कर्नाटक में डीके शिवकुमार आज भी मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। शशि थरूर को लोकप्रियता के बावजूद किनारे रखा गया। कन्हैया कुमार जैसे नेता इस्तेमाल से ज्यादा उपेक्षा के शिकार हुए। नतीजा यह हुआ कि ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, जयवीर शेरगिल जैसे युवा चेहरे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए। कांग्रेस आज भी वरिष्ठता और परिवारवाद की दीवार में उलझी हुई है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को युवा चेहरा कहा जाता है, लेकिन पार्टी के भीतर अंतिम फैसले आज भी सोनिया गांधी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। कर्नाटक संकट हो या संगठनात्मक फ़ेरबदल, आखिरी नजर उन्हीं पर जाती है। यह स्थिति उस पार्टी की है, जो खुद को लोकतंत्र की संरक्षक बताती है। कांग्रेस का अंदरूनी कलह उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। हरियाणा और दिल्ली में आम आदमी पार्टी से टकराव, बिना सहयोगियों को भरोसे में लिए राष्ट्रीय रैलियां, गठबंधन धर्म की अनदेखी ये सब राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर सवाल खड़े करते हैं। विपक्ष को जोड़ने का दावा करने वाले नेता के कदम अगर खुद बिखराव पैदा करें, तो खतरा स्वाभाविक है। सबसे बड़ा खतरा उम्र नहीं, बल्कि समय से तालमेल न बैठा पाना है। भाजपा जहां युवाओं को आगे कर रही है, वहीं कांग्रेस बूढ़ों की फौज बनती जा रही है। राहुल गांधी चाहे जितना युवा दिखने की कोशिश करें, सच्चाई यही है कि पांच साल बाद वे भी उसी कतार में होंगे, जिसकी ओर मोकीम ने अपने पत्र में इशारा किया था। भारतीय राजनीति अब धैर्य नहीं, दिशा मांगती है। जनता को सपना नहीं, रोडमैप चाहिए। राहुल गांधी आज भी संघर्ष और शिकायत के बीच फंसे हुए हैं। अगर यही रफ्तार रही, तो आने वाले सालों में उनके लिए सबसे बड़ा खतरा विरोधी नहीं, बल्कि समय साबित होगा।

2014, 2019 और 2024 तीन लोकसभा चुनाव बीत चुके हैं और तीनों में जनता ने राहुल गांधी के नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद वे उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते दिखते हैं। राजनीति में रिटायरमेंट की कोई तय उम्र नहीं होती, लेकिन लोकतंत्र में जनता बार-बार किसी नेता को नकार दे, तो वह खुद एक बड़ा संकेत होता है। राहुल गांधी आज 55 वर्ष के हैं। अगर वे किसी सरकारी या गैर-सरकारी संस्था में होते, तो अगले पाँच साल में रिटायरमेंट की तैयारी शुरू हो जाती। राजनीति में वे रिटायर नहीं होंगे, लेकिन उनके सामने जो खतरे खड़े हो रहे हैं, वे अब नजरअंदाज करने लायक नहीं रहे।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी', 'युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता' और 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता' जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब सभी मानव पहले मानव की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। भारतीय चिंतन ने सदियों पहले वसुधैव कुटुम्बकम् का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी। आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज़ को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया। मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है। हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा। एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर इस बात पर ज़ोर देता है कि सदस्य देशों को सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे राष्ट्र सशस्त्र संघर्ष या आतंकवाद जैसे किसी भी खतरे के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं। वैश्विक चुनौतियों के परस्पर संबंध को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र गरीबी, भूख और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की वकालत करता है। एकजुटता साझेदारी के माध्यम से प्रकट होती है जो संसाधनों के बंटवारे को बढ़ावा देती है और प्रत्येक राष्ट्र के प्रयासों को मजबूत करती है। अंततः मानव एकता एवं एकजुटता दिवस हमें एक सरल लेकिन गहन सत्य की ओर लौटने का आह्वान करता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसका मनुष्य होना है। यदि हम इस पहचान को बचा पाए, तो युद्ध, आतंक और हिंसा की अंधेरी रात अपने आप छँटने लगेगी। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यवहार में उतारकर ही हम एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ अस्तित्व भय से नहीं, विश्वास से संचालित हो; जहाँ शक्ति हथियारों में नहीं, करुणा में निहित हो; और जहाँ भविष्य की पीढ़ियाँ हमें एक ऐसी मानवता के रूप में याद करें, जिसने विभाजन नहीं, बल्कि एकता को चुना।

भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ॡवसुधैव कुटुम्बकम्ॣ का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है।

डिजिटल ट्रांजैक्शन की बढ़ती मात्रा के कारण साइबर अपराधों की संख्या में हुई वृद्धि

- रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज स्थित प्रेक्षागृह में साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्णा द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता के तहत आज रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज स्थित प्रेक्षागृह में साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस गरिमामय एवं महत्वपूर्ण कार्यशाला में अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन डा. संजीव गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । उनके साथ पुलिस उप महानिरीक्षक, राजेश एस., पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल, पुलिस अधीक्षक महोबा प्रबल प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक हमीरपुर दीक्षा शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह की विशिष्ट एवं गरिमामयी उपस्थिति रही । सभी अतिथियों का आगमन कार्यक्रम की महत्ता एवं गंभीरता को दर्शाता है । इस अवसर पर चित्रकूटधाम रेंज के समस्त जनपद तथा उनकी साइबर सेल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े । साथ ही जनपद के सभी थानों को भी इस कार्यशाला से वर्चुअल माध्यम से जोड़ा गया, जिससे समस्त पुलिस कर्मियों को एक साथ प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज स्थित प्रेक्षागृह में में साइबर जागरूकता अभियान में जनपद बांदा के विभिन्न कॉलेजों से आये शिक्षकगण, छात्र-छात्रायें एवं प्राचार्यगण द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया । साइबर जागरूकता अभियान में जनपद बांदा के भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कल्लू राजपूत व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मालती बासु गुप्ता एवं उद्योग व्यापार मण्डल के पदाधिकारी तथा सदस्यगण द्वारा भी साइबर जागरूकता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी । पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्णा द्वारा वर्चुअल संबोधन के माध्यम से आयोजित साइबर कार्यशाला में साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आनलाइन ठगी, फर्जी काल/लिंक , सोशल मीडिया व बैंकिंग/यूपीआई फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई । साथ ही साइबर अपराधों से बचाव हेतु ओटीपी/पिन साझा न करने, संदिग्ध कॉल-मैसेज से सतर्क रहने तथा मजबूत पासवर्ड व टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के उपयोग की जानकारी दी गई । साइबर अपराध होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर अथवा बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई । पुलिस महानिदेशक द्वारा स्पष्ट किया कि डिजिटल ट्रांजैक्शन की बढ़ती मात्रा के कारण साइबर अपराधों की संख्या में वृद्धि हुई है। साइबर अपराधों की यह विशेषता है कि इनमें अपराधी शारीरिक रूप से सामने नहीं होता । उन्होंने बताया कि अधिकांश साइबर अपराध चार प्रमुख कारणों से होते हैं।

मण्डल कारागार में महिला बंदियों ने न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारियों ने किया संवाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत गुरुवार को मंडल कारागार में महिला बंदियों के साथ शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश अल्पना, जिलाधिकारी जे. रिभा एवं पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल ने महिला बैरक में निरुद्ध बंदियों से संवाद किया। महिला बंदियों को उनकी सुरक्षा, अधिकारों तथा सशक्तीकरण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। संवाद के दौरान अधिकारियों ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, जिनमें महिला हेल्पलाइन 1090, निःशुल्क विधिक सहायता, आपातकालीन पुलिस व स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल रहे। महिला बंदियों को यह भी बताया गया कि रिहाई के पश्चात वे किन सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। साथ ही, किसी भी महिला संबंधी समस्या की स्थिति में सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान आत्मरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक सहयोग, मनो-सामाजिक परामर्श एवं पुनर्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। महिला बंदियों ने भी अपने अनुभव और विचार साझा किए। अधिकारियों ने महिला बंदियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, विधिक सहायता, कौशल प्रशिक्षण तथा पुनर्वास से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला बंदियों में आत्मविश्वास जागृत करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्वावलंबी बनाना रहा।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई छात्रवृत्ति संबंधी बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को छात्रवृत्ति की समीक्षा बैठक की गयी। जनपद में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित दशमोत्तर छात्रवृत्ति (डिग्री स्तर) प्रदान करने वाले जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्य/छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों के साथ यह बैठक की गयी। शासन स्तर से निर्गत छात्रवृत्ति समय सारिणी के अनुसार 20 दिसम्बर तक छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जाना है। एवं शिक्षण संस्थाओं के स्तर से छात्रों के डाटा के अग्रसारित किया जाना है। वर्तमान में छात्रों के ऑनलाइन फाइनल सबमिट के सापेक्ष शिक्षण संस्थान के स्तर से अग्रसारण की प्रगति सन्तोषजनक नहीं है जिसके क्रम में सर्वाधिक लम्बित आवेदन रखने वाले शिक्षण संस्थाओं प्रधानाचार्य/नोडल अधिकारियों को डीएम द्वारा शीघ्र अतिशीघ्र डाटा अग्रसारित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान अतर्रा पी0जी0 कॉलेज अतर्रा, सुखदेव सिंह लवकुश डिग्री कॉलेज कमासिन, स्व0 गया प्रसाद डिग्री कॉलेज भभुवा, राजादेवी डिग्री कॉलेज बाँदा, प0 जे0एन0 पी0जी0 कॉलेज, बाँदा, गुलाबरानी महाविद्यालय बदौसा, प्रो0 दीनानाथ पाण्डेय महाविद्यालय, बदौसा, स्व0 प्रहलाद सिंह स्मारक डिग्री कॉलेज गौरीकलॉ, के0सी0एन0आई0टी0 प्रा0 आई0टी0आई0 बाँदा, आदि शिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य/नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

अज्ञात हमलावरों ने किसान को मारी गोली

बांदा। अज्ञात हमलावरों ने किसान को गोली मारकर लहूलुहान कर दिया हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज से रेफर कर दिया गया सूचना मिलते ही मौके पर इलाकाई पुलिस पहुंच गई और घटना की जानकारी में जूट गई जानकारी के अनुसार थाना बदौसा क्षेत्र के गरगपुर गांव निवासी किसान राजाभाईया गर्ग पुत्र स्वर्गीय रामसनेही गर्ग उम्र 55 साल पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चला दी। घायल किसान अपने निज निवास से बाणा मवेशियों के लिए चारा-भूसा डालने जा रहे थे, तभी यह हमला हुआ।घायल के साले और पत्रकार आत्माराम त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों ने तत्काल रामसनेही को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अतर्रा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने उन्हें रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज बांदा रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज में इमरजेंसी उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बदौसा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल हमले के कारणों का पता नहीं चल सका है।

जिलाधिकारी में ग्राम ताज मल्लाहन में चौपाल लगाकर सुनी ग्रामवासियों की समस्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल ने ल्गाँव की समस्या, गाँव में समाधानङ्क कार्यक्रम के अंतर्गत आज ग्राम ताज मल्लाहन में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये।

चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग के नवीनीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इस पर अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग ने अवगत कराया कि संपर्क मार्ग का नवीनीकरण कार्य मार्च-2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही ग्राम के अंदर सड़क निर्माण कार्य हेतु टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, जिसे भी मार्च-2026 तक पूरा किया जायेगा।जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पेंशन, व्यक्तिगत शौचालय, राशन, पुष्टाहार एवं आवास योजनाओं के लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिए कि छूटे हुए सभी पात्र लाभार्थियों को शीघ्र योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने ए.आर. को-आपरेटिव को निर्देशित किया कि खाद का वितरण पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए। ग्रामवासियों की मांग पर उन्होंने बताया कि ग्राम में खेल मैदान निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। उन्होंने ग्राम में स्वयं सहायता समूहों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त एन.आर.एल.एम. को और अधिक समूहों के गठन के निर्देश दिए। शिक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने अध्यापकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पाठ्य-पुस्तक वितरण एवं शिक्षण कार्य की स्थिति की जांच कराई। ग्रामवासियों ने बताया कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं एवं शिक्षण कार्य संतोषजनक है। विद्यालय में 19 पैरामीटर के अंतर्गत कराए गए कार्यों एवं शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच की गयी। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि शेष बचे 05 बच्चों के अभिभावकों के खातों में धनराशि शीघ्र हस्तांतरित कराई जाए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि दिनांक 20 दिसम्बर 2025 को ग्राम में कैंप लगाकर पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड बनाए जाएं।

एसपी ने ग्राम प्रहरियों संग की गोष्ठी

कानून-व्यवस्था मजबूत करने पर दिया जोर

- ग्राम स्तर पर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश, 81 ग्राम प्रहरियों को साइकिल, कंबल व सीटी वितरित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों (ग्राम चौकीदारों) के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का उद्देश्य ग्राम स्तर पर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और ग्राम प्रहरियों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। इसमें जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्राम प्रहरी शामिल हुए।

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव और क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ संतोष कुमार सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्राम प्रहरियों को उनके कर्तव्यों और दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रहरियों को पुलिस व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रहरियों से अनुशासन, ईमानदारी और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि ग्राम प्रहरी अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या घटना की सूचना तत्काल संबंधित थाना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सूचनाएं भी कई बार बड़े अपराधों को रोकने में सहायक सिद्ध होती हैं, इसलिए सूचना तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। गोष्ठी में रात्रि गश्त को गंभीरता से लेने, गांवों में बाहरी व्यक्तियों की आवाजाही पर नजर रखने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस दौरान ग्राम प्रहरियों की समस्याओं को भी सुना गया और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। गोष्ठी के उपरांत ग्राम प्रहरियों को कार्य सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से कुल 81 नई साइकिलें, कंबल और सीटी वितरित की गईं। अधिकारियों ने बताया कि यह सामग्री गश्त, निगरानी और सूचना संकलन के कार्य में ग्राम प्रहरियों के लिए सहायक सिद्ध होगी। ग्राम प्रहरियों ने इस पहल के लिए पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनपद में बहुजन समाज पार्टी द्वारा किया गया समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सदर विधान के अंतर्गत ग्राम कनवारा मजरा टिकरी हेलुवा डेरा में शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के उच्च पदाधिकारियों द्वारा एस आई आर वोटर लिस्ट के संबंध में मंडल प्रभारी की उपस्थिति में गहन समीक्षा बैठक की गई। जिसमे बुंदेलखंड प्रभारी बल्देव प्रसाद वर्मा,मंडल प्रभारी रामशरण अनुरागी,लल्लू प्रसाद निषाद, जिला महासचिव,जिलाअध्यक्ष रामसेवक प्रजापति,विनोद उर्फ बैरागी प्रजापति,दीपक कुमार वर्मा, विधान सभा प्रभारी जोन इंचार्ज, सुखलाल बौद्ध, सेक्टर अध्यक्ष सरकार द्वारा एस आई आर कराए जाने के संबंध में जो नाम काटने जोड़ने की प्रक्रिया जारी किए हैं, उसके संबंध में सभी लोगों को समझाया और प्रशिक्षण दिया गया।सभी लोगों ने पार्टी के पदाधिकारियों का धन्यवाद व आभार प्रकट करते हुए सम्मान माला पहनाकर किया। इस मौके पर कुलदीप श्रीवास, अनिल कुमार चौधरी, श्याम बिहारी वर्मा, महेंद्र वर्मा, सुरेष वर्मा, अरुण कुमार अनुरागी, सिपाही लाल, कल्लू वर्मा, गरीब चंद्र अनुरागी , बरुण सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे ।

साइबर ठगी के पीड़ितों को राहत, 37 हजार रुपये कराए गए रिफंड

उन्नाव। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार आवेदकों को बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस ने विभिन्न प्रार्थना पत्रों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर कुल 37 हजार रुपये की धनराशि पीड़ितों के बैंक खातों में सुरक्षित रूप से रिफंड कराई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन में की गई।कोतवाली सदर पुलिस की इस तत्परता और संवेदनशीलता से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना और मजबूत हुई है। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चन्द्र कान्त मिश्र, अपराध निरीक्षक राजेश यादव, महिला आरक्षी सोनिया शर्मा और महिला आरक्षी साक्षी शुक्ला की अहम भूमिका रही।

सदर नगर पालिका में हंगामा, विकास कार्य ठप होने पर भड़के सभासद

- भ्रष्टाचार व लापरवाही के आरोप, कार्रवाई न होने पर सामूहिक इस्तीफ़े की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। सदर नगर पालिका में शुक्रवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब कई सभासदों ने विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। सभासदों का कहना है कि लंबे समय से नगर क्षेत्र में विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सभासद बृजेश पांडे, लक्ष्मीकांत, निर्मला सहित अन्य सदस्यों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) द्वारा किसी भी तरह के विकास कार्य नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सभासदों के अनुसार नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण, इंटरलॉकिंग, पत्थर बिछाने और नाली निर्माण जैसे बुनियादी कार्य लंबे समय से रुके हुए हैं। इसके चलते मोहल्लों में जलभराव, गड्ढों और गंदगी की समस्या बढ़ गई है। बारिश और ठंड के मौसम में लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सभासदों ने यह भी आरोप लगाया कि जहां कहीं विकास कार्य कराए गए हैं, वहां गुणवत्ता बेहद खराब है। घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है और निर्माण मानकों की अनदेखी की गई है। इस पूरे मामले में नगर पालिका प्रशासन पर आंखें मूंदे रहने का आरोप लगाया गया।आक्रोशित सभासदों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही विकास कार्य शुरू नहीं कराए गए और शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सामूहिक रूप से अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनका कहना है कि जनता ने उन्हें विकास के लिए चुना है, लेकिन जब उनकी ही अनदेखी की जा रही है तो पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

हंगामे की सूचना मिलने पर नगर पालिका के कुछ अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभासदों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन सभासद अपनी मांगों पर अड़े रहे।

शीतलहर में आदेशों की अनदेखी पर सख्त हुए अफसर, कई स्कूलों से मांगा गया स्पष्टीकरण

उन्नाव। अत्यधिक ठंड, शीतलहर एवं घने कोहरे के कारण छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा परिषदीय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालन के संबंध में जारी निर्देशों की अनदेखी करना कई विद्यालयों को भारी पड़ गया। लापरवाही सामने आने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश पांडेय ने संबंधित विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से स्पष्टीकरण तलब किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में कक्षा 1 से 5 तक के समस्त परिषदीय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए दिनांक 19 दिसंबर 2025 एवं 20 दिसंबर 2025 को अवकाश घोषित किया गया था।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 12.01.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या : 01332025 dated 18.12.2025
2	निविदा संख्या : 30-Sr.DEN-IV-LKO/2025-26
3	कार्य का नाम : वरि. मण्डल इंजीनियर-चतुर्थ-लखनऊ के क्षेत्राधिकार में सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-द्वितीय/सुल्तानपुर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-[illegible], सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-श्रीकृष्णनगर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-[illegible]/सुल्तानपुर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-[illegible] और सीनियर सेक्शन इंजीनियर(पीवे)-[illegible] के [illegible] का सुधार कार्य।
4	अनुमानित लागत : रु. 2,70,78,019.67
5	धरोहर राशि : रु. 2,85,400.00
6	कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह।
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि : 29.12.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 12.01.2026 at 15:00 hrs.
9	वेबसाईट : www.ireps.gov.in

नोट:- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3924/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. : 106-Sig-Tender-48-2025-26
कार्य का नाम: [illegible]
अनुमानित लागत : रु. 3,05,08,602.33
निविदा प्रपत्र की कीमत : निल
धरोहर राशि : रु. 3,02,600.00
कार्य पूरा करने की अवधि : 210 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 07.01.2026, 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है : वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ.

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

सं.: 106-सिग-टैण्डर-48/2025-26 दिनांक: 17.12.2025 3937/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/[illegible], मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1	ई-निविदा सूचना संख्या : टीआरडी-18-सीनि.डी.ई.ई.-लखनऊ-25
2	कार्य का नाम : [illegible] LKO(Ex)-SLN-ZBD खंड में [illegible] की आपूर्ति एवं बिछाव का कार्य।
3	अनुमानित लागत : रु. 12,60,836/-
4	बयाना राशि : रु. 25,200/-
5	कार्य पूर्ण करने की अवधि : 02 माह
6	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि : दिनांक 13.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7	प्रस्ताव की वैधता : निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8	उत्तर रेलवे की वेबसाइट : अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9	पात्रता मापदंड : निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता। 1. निविदाकर्ता अपने आफर के साथ बिजली के ठेकेदारी के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं.: टीआरडी-18-सीनि.डी.ई.ई.-लखनऊ-25 दिनांक: 19.12.2025 3945/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.	106-Sig-Tender-47-2025-26
कार्य का नाम	[illegible]
अनुमानित लागत	रु. 6,32,16,677.91
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु. 4,66,100.00
कार्य पूरा करने की अवधि	210 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	07.01.2026, 15:30 बजे तक।
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	https://www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं. 106-सिग-टैण्डर-47/2025-26 दिनांक 17.12.2025 3936/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ई-रिक्शा संचालन की व्यवस्था बदली, रूट और स्टॉपेज तय

- 1 जनवरी से नियमों का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर में बढ़ती जाम की समस्या से निजात दिलाने और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद, पुलिस प्रशासन एवं गोला टूरिज्म संगठन की संयुक्त बैठक में ई-रिक्शा संचालन की व्यवस्था में व्यापक बदलाव का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था आगामी 1 जनवरी से लागू की जाएगी। नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल 'रिंकू' की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीण एवं शहरी ई-रिक्शा के लिए अलग-अलग रूट, स्टॉपेज और नियमावली निर्धारित की गई। निर्णय के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लाल प्लेट/पेंट वाले ई-रिक्शा अब शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। उन्हें केवल शहर के बाहरी हिस्सों में बने निर्धारित स्टॉपेज तक ही आने की अनुमति होगी। इन स्टॉपेज में होंडा एजेंसी के पास, बड़ा बाईपास चौराहा, पटेल चौक, तहसील के पास, गन्ना लाइन, मंडी समिति, बिजुआ बस अड्डा तथा खुटार रोड स्थित फूल बाबा आश्रम शामिल हैं। वहीं शहर के भीतर केवल हरी प्लेट/पेंट वाले ई-रिक्शा ही संचालित होंगे, जिनके लिए सात प्रमुख रूट तय किए गए हैं। इन रूटों में स्टेशन/बस अड्डा से सदर चौराहा, पटेल चौक, विकास चौराहा, नानक चौकी, सी.जी.एन. कॉलेज, मंडी समिति, होंडा एजेंसी सहित अन्य प्रमुख मार्ग शामिल हैं। ई-रिक्शा के किराए को भी निर्धारित किया गया है।

रूट के प्रारंभ से अंतिम बिंदु तक किराया 10 रुपये होगा, जबकि बीच में उतरने पर यात्री से 5 रुपये लिए जाएंगे। इसके अलावा नगर पालिका परिषद में ई-रिक्शा का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, जिसका शुल्क मात्र 20 रुपये रखा गया है, जो एक बार ही देय होगा। नगर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि यह व्यवस्था नगरवासियों की सुविधा और ई-रिक्शा चालकों के हित को ध्यान में रखकर बनाई गई है। दिसंबर माह में सभी चालकों को नियमों के अनुरूप पंजीकरण और प्रक्रिया पूर्ण करने का समय दिया गया है। 1 जनवरी से नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी, जिसकी नगर में मुनादी भी कराई जाएगी। कोतवाल अम्बर सिंह ने स्पष्ट किया कि नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई होगी। यात्रियों व नागरिकों से अभद्र व्यवहार करने पर लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। नाबालिग ई-रिक्शा नहीं चला सकेंगे तथा शराब पीकर वाहन चलाने पर जेल और जुर्माना दोनों का प्रावधान रहेगा। बिना ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीकरण के ई-रिक्शा को सीज किया जाएगा। बैठक में नानक चौकी इंचार्ज योगेश, टीएसआई युगेंद्र पाल सिंह, एचसीटीपी हरीश कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं गोला टूरिज्म संगठन की ओर से प्रबंधक प्रेम गुप्ता, सचिव इं. मिलिंद शुक्ल, सहमंत्री अवनीश प्रजापति, सदस्य राजेंद्र सोनी, गौरव ज्ञान त्रिपाठी, मोहित व रविन्द्र कटियार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारत नेपाल सीमा के बॉर्डर पर पहुंचे सीएमओ

पोलियो बूथ पर स्वयं बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अचानक बड़ी ठंड के दृष्टिगत बढ़ाई गई स्वास्थ्य सेवाओं के निरीक्षक को शुक्रवार की सुबह सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलिया पहुंच गए, जहां उन्हें अधीक्षक डॉ भरत सिंह सहित समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। इसी के साथ उन्होंने पीएचसी गोरीफंटा का भी निरीक्षण किया। भारत-नेपाल सीमा पर बनाए गए पोलियो बूथ का भी उन्होंने निरीक्षण किया, जहां पर उन्होंने कुछ बच्चों को स्वयं पोलियो की दवा पिलाई। इस दौरान एसएसबी के अधिकारी व जवान भी मौजूद रहे। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि मौसम में परिवर्तन हुआ है। ठंड के बढ़ते प्रकोप के दृष्टिगत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ठंड से निपटने के लिए मरीजों व उनके तीमारदारों को सुविधा दी जा रहीं हैं। इसी के दृष्टिगत उन्होंने सीएचसी पलिया का निरीक्षण किया है, जहां पर अधीक्षक डॉ भरत सिंह सहित फिजिशियन डॉ अजीत सिंह, इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट, एएनएम व अन्य स्टाफ मौजूद मिला। इस दौरान उन्होंने प्रसूता महिलाओं से दी जा रही डाइट के बारे में जानकारी की। पलिया सीएचसी पर रैन बसेरा भी बनाया जा चुका है। हीटर व ब्लोअर की व्यवस्था भी वार्डों में की गई है। पीएचसी गोरीफंटा पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अब्बास, सीएचओ व अन्य ड्यूटी स्टॉप मौजूद मिला। बॉर्डर क्षेत्र में हृदय संबंधी रोगों के दृष्टिगत ईसीजी सुविधा भी दी जा रही थी। इसके बाद वह भारत नेपाल सीमा पर बनाए गए अस्थाई पोलियो बूथ पहुंचे जहां पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। उनके साथ एसएसबी के अधिकारी व जवान भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोनों देश की सीमाएं सिर्फ एक दूसरे को जोड़ती ही नहीं, अपितु रोजी-रोटी का रिश्ता भी निभा रही है। ऐसे में बॉर्डर पर बनाया गया पोलियो का यह बूथ दोनों ही देश के बच्चों को पोलियो की बीमारी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्राम प्रधान तथा प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। जिले की मछरेहटा ब्लाक मछरेहटा में ग्राम प्रधान तथा प्रधानाध्यापकों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मछरेहटा श्री अजय भार्गव जी, विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी मछरेहटा श्री राजेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे बैठक में निम्न बिंदुओं पर मुख्य रूप से चर्चा की गई अभिभावकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से ?1200 प्रेषित किए गए हैं जिसमें से दो जोड़ी यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूता मौजा,स्कूल बैग,स्टेशनरी क्रय करने के संबंध में जानकारी दी गई, निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किया जा रहे प्रयासों के बारे में चर्चा की गई,ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 19 पैरामीटर पर ग्राम प्रधानों/स्थानीय प्राधिकारी को संतृप्तिकरण करने हेतु चर्चा की गई,विद्यालयों में छात्रों की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रयासों पर चर्चा की गई, विद्यालय में एमडीएम गुणवत्तापूर्ण रूप से संचालित किया जाए आदि पर मुख्य रूप से चर्चा की गई ।

भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारिणी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से ऐप्जा व एक्शन पार्टी के पदाधिकारी ने की भेट

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भाजपा के नव नियुक्त कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष से देश की राजधानी दिल्ली में ऐप्जा व ऐक्शन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व चीफ कोआर्डिनेटर ने मुलाकात कर उन्हें बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। उत्तर प्रदेश के सबसे मजबूत और संघर्षशील पत्रकार संगठन ऐप्जा (आल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन) व ऐक्शन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवीन्द्र मिश्रा व चीफ कोआर्डिनेटर उत्तर प्रदेश अनुराग सारथी ने भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर उन्हें मिले महत्वपूर्ण दायित्व को लेकर बधाई दी और स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के तमाम राजनैतिक बिंदुओं सहित पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

नाटक 'आधे-अधूरे' का किया भव्य मंचन, दर्शकों ने की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सांस्कृतिक उन्नयन और रंगमंचीय अभिव्यक्ति को समर्पित रंग निलयम फाउंडेशन संस्थान ने 16 दिसम्बर 2025 को गोला गोकर्णनाथ के साईं मैरिज लॉन में हिंदी नाट्य-जगत की बेहतरीन कृतियों में शुमार मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटक 'आधे-अधूरे' का प्रभावशाली मंचन प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम न केवल कला-प्रेमियों के लिए बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक अनुभव बनकर उभरा। साहित्यिक दृष्टिकोण से 'आधे-अधूरे' आधुनिकतावादी हिंदी नाटक का मील का पत्थर है।

यह नाटक एक ऐसे मध्यमवर्गीय परिवार की कहानी कहता है, जो टूटते रिश्तों, आर्थिक दबाव, असंतोष और पहचान की तलाश के बीच संघर्ष कर रहा है। नाटक की केंद्र में है सावित्री, जो स्वयं को और अपने परिवार को पूर्णता की ओर ले जाने का प्रयास करती है, लेकिन परिस्थितियाँ उसे बार-बार अपूर्णता और विखंडन का अहसास कराती हैं। नाटक में पुरुष पात्रों का एक ही अभिनेता द्वारा निभाया जाना प्रतीकात्मक रूप से इस बात को दर्शाता है कि परिस्थितियाँ भले बदलें, पर समस्याएँ और अपेक्षाएँ अक्सर एक सी ही रहती हैं। नाटक आज भी उतना ही जीवंत और प्रासंगिक है क्योंकि यह आधुनिक परिवारों के संबंधों, मनोविज्ञान और सामाजिक दबावों को नग्न रूप में प्रस्तुत करता है। रंग निलयम फाउंडेशन संस्थान के प्रबंधक एवं सचिव श्री नितेश पांडेय ने बताया कि संस्था लंबे समय से क्षेत्र में नाट्यकला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का कार्य करती आ रही है। उन्होंने कहा कि संस्थान का मुख्य लक्ष्य– स्थानीय प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना, समाज में रंगमंचीय चेतना का विस्तार करना, और हिंदी साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को जन-जन तक पहुँचाना है।

श्री नितेश पांडेय ने आगे कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे ही सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी तथा नई पीढ़ी को कला और संस्कृति से जोड़ने का निरंतर प्रयास जारी रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय के कक्षा 6, 7, 8 के निर्धन छात्र-छात्राओ को जैकेट का हुआ वितरण

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रबंधक एवं पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा की उपस्थिति में विद्यालय के कक्षा 6 ,7 ,8 के निर्धन छात्र छात्राओ को जैकेट प्रदान की गई। इस मौके पर कॉलेज के उप मंत्री विनोद चंद्र मिश्र नारायण लाल वर्मा उप प्रधानाचार्य लखपति भारती डॉ अनिल कुमार देवेंद्र सिंह अम्बरीष वर्मा मनीष राज सिंह निशा वर्मा उपस्थित रहे।

रात के समय सीएचसी बिजुआ पहुंचे सीएमओ, तीन महिला मरीज मिली भर्ती

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के बिजुआ में देर शाम चिकित्सकीय सेवाओं का निरीक्षण करने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता गुरुवार की रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुआ पहुंच गए, जहां पर तीन महिला मरीज इमरजेंसी में भर्ती मिली, उनका उपचार किया जा रहा था। मौजूद डॉ नसीमुद्दीन से उन्होंने महिलाओं के उपचार की जानकारी की। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता में जानकारी दी कि उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा देरशाम इमरजेंसी सेवाओं की दृष्टिगत सीएचसी बिजुआ का औचक निरीक्षण गुरुवार की रात करीब 7:00 बजे किया गया। उस दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ नसीमुद्दीन सहित फार्मासिस्ट अशोक कुमार, स्टाफ नर्स वंदना, वार्ड बॉय मनीष चंद्र सहित अन्य ड्यूटी स्टाफ मौजूद मिला। इमरजेंसी में तीन महिला मरीज भर्ती मिलीं, उन्होंने मरीजों से मिल रही दवाओं ओर सेवाओं के बारे में पूंछा, उपचार पर सभी ने संतोष जाहिर किया। डिलीवरी रजिस्टर के अवलोकन पर पता चला कि बीते एक माह में 110 प्रसव कराए गए हैं। हर माह औसतन 100 से अधिक प्रसव संस्थागत रूप से कराए जा रहे हैं। जिन्हें शासन द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ भी दिया गया है। उन्होंने जीएसवाई, जरनल वार्ड, लेबर रूम, ओटी सहित अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया। साफ-सफाई को लेकर संबंधित चिकित्सक को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि लेबर रूम व इमरजेंसी सेवा सहित प्रसव कक्ष की निरंतर साफ सफाई होती रहनी चाहिए, जिससे गर्भवती माताओं को किसी भी तरह की समस्या ना हो। इसी के साथ ठंड के दृष्टिगत हीटर ब्लोअर आदि लगे हुए मिले।

दम्पती जायरीन मुबारक सफर-ए उमरा के लिए मितौली कस्बे से रवाना हुए

मितौली खीरी। कस्बे में जायरीनो को मुबारक सफर पर रवाना करने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने मक्का, मदीना, शरीफ पहुँच कर अमन चैन की दुआ की मांगने की दरख्वास्त की। पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला ,पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने फूल माला पहनाकर जायरीनों को विदा किया। शुक्रवार को कस्बे के रहने इसहाक अली खाँ उर्फ अच्छन मास्टर व उनकी पत्नी माजिदा खाँ मक्का मदीना सफर-ए-उमरा करने के लिए रवाना हुए। लोगो ने सफर-ए-उमरा पर जाने वालों के घर पहुँचकर माला पहनाकर उनका सम्मान किया और अपने हक में दुआ मांगने की अपील की। धूमधाम के साथ अपने घरों से निकले जायरीनों को कस्बे के लोगो ने फुलमलाओ से स्वागत करते हुए मुँह मीठा कराया। इस दौरान नारे तकबीर, अल्ला हू अकबर की लोग सदाए बुलन्द करते नजर आए। जायरीन इसहाक अली खां ने कहा कि अल्लाह के रहमो करम से ऐसी पाक जगह जाने का मौका मिलता है। उन्होंने बताया कि साल में एक बार हज किया जा सकता है । लेकिन उमरा साल में कभी भी किया जा सकता है। मक्का, मदीना शरीफ की यात्रा नसीब वालो को ही मिलती है। इस दौरान पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता, टीटू भार्गव, हाजी कईम गफ्फारी, इसरार खा, कमाल खाँ, राशिद सिद्दीकी, सिकन्दर अली, निसार, आजमी हसन, मिंटू कुरैसी, इस्तिखार सलमानी, शईद सिद्दीकी, मकबूल अली, परवेज खा,अली शेर, शमशेर, इलियास, उस्मान खाँ,गुड्डू सलमानी, रहीस खाँ, अंसार खान, इरफान खाँ, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फीस न जमा होने पर सूची जारी करने से अभिभावकों में नाराजगी

मैलानी खीरी। कस्बे के प्रसिद्ध डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी में नवंबर माह की फीस जमा न होने को लेकर अभिभावकों को अवगत कराया गया जिससे से क्षेत्र के अभिभावकों में रोष देखने को मिल रहा है। अभिभावकों का कहना है कि फीस जमा कराने के लिए सूचना देना या व्यक्तिगत रूप से याद दिलाना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन सार्वजनिक रूप से ल्लडिफाल्टरङ्क जैसे शब्द का प्रयोग बच्चों एवं उनके माता-पिता की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस प्रकार की सूची जारी करना न केवल अपमानजनक है, बल्कि इससे बच्चों के मनोबल पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अभिभावकों ने यह भी कहा कि एक शिक्षण संस्था से इस तरह की असंवेदनशील भाषा की अपेक्षा नहीं की जाती, जहां बच्चों को संस्कार, सम्मान और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के इस रवैये को अनुचित बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में फीस संबंधी मामलों को सम्मानजनक और संवेदनशील तरीके से निपटाया जाए तथा सार्वजनिक रूप से जारी की गई सूची को तत्काल वापस लिया जाए।

दो दिवसीय डॉन बॉस्को स्कूल खेल प्रतियोगिता संपन्न

खिलाड़ियों ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंटर-स्कूल खेल प्रतियोगिता का गुरुवार को सफल समापन हो गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बैडमिंटन एवं खो-खो प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर-14 बालिका वर्ग में यूडीसीए (गोला) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी उपविजेता रहा। अंडर-14 बालक वर्ग में डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया और यूडीसीए (गोला) उपविजेता रहा।

अंडर-17 बालक वर्ग में सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोला ने बाजी मारी, जबकि डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी को उपविजेता संतोष करना पड़ा। वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल, मैलानी विजेता बना और डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी उपविजेता रहा। खो-खो प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोला उपविजेता रहा। अंडर-14 बालिका वर्ग में सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोला विजेता रहा और डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी उपविजेता रहा। अंडर-17 बालक वर्ग में सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोला ने जीत दर्ज की, जबकि डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी दूसरे स्थान पर रहा। अंडर-17 बालिका वर्ग में डॉन बॉस्को स्कूल, मैलानी ने खिताब अपने नाम किया और सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल, मैलानी उपविजेता रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पंचायत मैलानी के अध्यक्ष प्रतिनिधि भवानी शंकर महेश्वरी एवं सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल के निदेशक भवानी शंकर माहेश्वरी ने विजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सिद्धि विनायक पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती गुरमीत कौर एवं डॉन बॉस्को स्कूल के फादर वसंत टिर्की ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजकों की सराहना की गई।

अर्कवंशी युवा एकता मंच ने लगाया सांसद पर अपशब्द कहने का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकास मितौली में अर्कवंशी युवा एकता मंच के अध्यक्ष कैप्टन संदीप अर्कवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया कि विगत दिनों शीतकालीन सत्र में 'लोक महत्व के मुद्दे' पर चर्चा के दौरान उत्तर प्रदेश की मिश्रिख लोकसभा सीट से सांसद अशोक कुमार रावत ने जानबूझकर महाराजा सल्हीय सिंह अर्कवंशी के इतिहास से छेड़छाड़ करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया है।

बोले गए अशोभनीय, अमर्यादित शब्द सदन की कार्यवाही से हटाए जाएं और नियम बनाए जाएं कि भविष्य में इस प्रकार के गैर-जिम्मेदाराना व्यक्तव्य कोई सदन में न रखे, जिससे समाज की जातियों में आपसी टकराव की स्थिति पैदा न हो। ज्ञापन देने वालों में जिला महासचिव शिवम् अर्कवंशी अलावा फूलसिंह अर्कवंशी, मोनिश अर्कवंशी, सुमित अर्कवंशी, अर्पित अर्कवंशी, प्रिंस अर्कवंशी, विकाश अर्कवंशी, आदि लोग मौजूद रहे।

आशुतोष, अंशुमान और हर्षित अ0भा0 परिषद के बने प्रांत कार्यकारिणी सदस्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का तीन दिवसीय 65 वाँ प्रांत अधिवेशन बहराइच के महाराजा सुहेलदेव नगर के किसान महाविद्यालय में संपन्न होने के अंतिम दिवस अवध प्रांत की कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें गोला जिले के पूर्व में जिला सह संयोजक रहे आशुतोष मिश्रा,पूर्व में नगर सह मंत्री रहे अंशुमान शुक्ला एवं पूर्व में नगर सह मंत्री रहे हर्षित अवस्थी को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रांत की टीम में शामिल किया गया। नगर निवासी आशुतोष मिश्रा वर्ष 2019 से संगठन में सक्रिय भूमिका में पूर्व में नगर सह मंत्री,नगर मंत्री, तहसील सह संयोजक, तहसील मीडिया प्रमुख, नगर मंत्री एवं जिला के सह संयोजक के दायित्व पर कार्य कर चुके हैं। जिनकी शिक्षा एलएलबी प्रथम वर्ष की चल रही है। वहीं अंशुमान शुक्ला पूर्व में नगर के सह मंत्री एवं तहसील सह संयोजक जैसे दायित्व पर रह चुके हैं!! हर्षित अवस्थी पूर्व में नगर सह मंत्री के रूप मे कार्य कर चुके है। नगर के तीनों कार्यकर्ताओं के प्रदेश की टीम में समायोजन से कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है।

नगर पंचायत मैलानी को साढ़े तीन करोड़ की सौगात, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। नगर में सड़क, नाली एवं पथ प्रकाश व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए नगर पंचायत मैलानी को साढ़े तीन करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह धनराशि परम पूज्य योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा एवं नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर के सहयोग एवं मार्गदर्शन से स्वीकृत हुई है। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति माहेश्वरी ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रदेश नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सुनौरा मिर्ज़ापुर में श्री शतचंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। मितौली क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुनौरा मिर्ज़ापुर में आयोजित तृतीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन पूर्णाहुतियों के साथ श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। कई दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में दूर-दराज से पधारे संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वृंदावन धाम से पधारीं साध्वी साक्षी शुक्ला ने श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्री राधा-कृष्ण के भजनों का रसपान कराते हुए श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वहीं नैमिषधाम से पधारे भारतीय हिन्दू परिषद के संरक्षक एवं अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक महंत सुरेश चंद्र अवस्थी जी ने अपनी अमृतमयी वाणी से मार्मिक कथाएं और सुंदर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को अध्यात्म से जोड़ा। नैमिषधाम से ही पधारे भारतीय हिन्दू परिषद अंतरराष्ट्रीय संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रप्रहरी पवनेश जी महाराज ने गौ-सेवा, गौ-रक्षा और राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि धर्म बताते हुए ओजपूर्ण भजनों से उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति का भाव जागृत किया। मानस मर्मज्ञ हेमंत शास्त्री एवं परम विद्वान मानस वक्ता नंदन मिश्रा ने रामकथा का भावपूर्ण वर्णन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन परम विद्वान पंडित प्रेम सागर मिश्र ने किया। उन्होंने आध्यात्मिक वक्तव्यों के माध्यम से पधारे संत-विद्वानों का स्वागत एवं सम्मान करते हुए आयोजकों की ओर से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पंडित प्रेम बाजपेई, कमल मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

टी20 विश्व कप के लिए सूर्यकुमार की अगुवाई वाली टीम में किसी अप्रत्याशित चयन की संभावना नहीं

एजेंसी

मुंबई। कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके उप-कप्तान शुभमन गिल का खराब फॉर्म चिंता का विषय है लेकिन राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम का चयन करते समय कोई चौंकाने वाला बदलाव किए जाने की संभावना लगभग नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को सात फरवरी को टी20 विश्व कप शुरू होने तक चुने हुए 15 खिलाड़ियों में से किसी को भी बदलने की छूट होगी। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई की धीमी पिचों को ध्यान में रखते हुए वरुण चक्रवर्ती को यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में शामिल

किया गया था। बीसीसीआई में हालांकि कोई भी इस बात को स्पष्ट रूप से नहीं कह रहा है, लेकिन भारत में होने वाला यह वैश्विक टूर्नामेंट सूर्यकुमार के लिए राष्ट्रीय टी20 कप्तान के रूप में आखिरी हो सकता है। वह 35 वर्ष के हो चुके हैं और पिछले एक साल से खराब लय में हैं। सूर्यकुमार कप्तान होने के कारण ही लगभग 14 महीनों और 24 मैचों में खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम में बने हुए हैं। चयन समिति न्यूजीलैंड के लिए टी20 टीम का भी करेगी और यह टीम विश्व कप के लिए चुनी जाने वाली टीम के समान ही होगी। मौजूदा भारतीय टी20 टीम में किसी भी स्थान के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है लेकिन जायसवाल जैसा शानदार विकल्प होने के बावजूद टीम में गिल की मौजूदगी पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में शामिल करते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका मूल्यांकन किया जा सके। टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर फिलहाल संजू सैमसन है। सैमसन को शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन से गिल की वापसी के बाद उन्हें इस भूमिका से हटा दिया। टी20 विश्व कप अगर छह महीने दूर होता तो चयन समिति के पास कप्तानी के लिए वैकल्पिक नामों पर विचार करने की गुंजाइश होती। लेकिन सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ होने वाले विश्व कप के शुरुआती मुकाबले से पहले केवल पांच मैच बचे हैं, ऐसे में कोई भी चयन समिति इस निरंतरता को तोड़ना नहीं चाहेगी। इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम न्यूजीलैंड और उसके बाद टी20 विश्व कप में भी खेलेगी, लेकिन जायसवाल का नाम लगभग निश्चित रूप से सामने आएगा क्योंकि उन्होंने गिल और सैमसन दोनों की तुलना में खुद को एक बहुमुखी टी20 खिलाड़ी साबित किया है।

ट्रैविस हेड के शतक से ऑस्ट्रेलिया मजबूत स्थिति में, एशेज पर पकड़ और मजबूत

एजेंसी

एडिलेड। ट्रैविस हेड एक बार फिर इंग्लैंड के लिए दीवार बनकर खड़े हो गए। एडिलेड में खेले जा रहे एशेज टेस्ट में धूप से भरे एक और दिन हेड ने अपने घरेलू मैदान पर लगातार चौथा टेस्ट शतक जड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया को मुकाबले में पूरी तरह नियंत्रण में ला दिया। हेड की नाबाद 142 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी की 85 रन की बढ़त को बढ़ाकर 356 रन की विशाल बढ़त में बदल दिया। हेड ने पहले उस्मान ख्वाजा के साथ अहम साझेदारी निभाई और इसके बाद एलेक्स कैरी के साथ नाबाद शतकीय साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ और मजबूत कर दी। जैसे ही हेड तीन अंकों तक पहुंचे, एडिलेड की दर्शक दीर्घा तालियों से गूंज उठी, लेकिन इंग्लैंड के लिए यह पल किसी अनहोनी जैसा नहीं था। इससे पहले पर्थ में भी हेड ने उन्हें चोट पहुंचाई थी और यहां भी कहानी वही रही, हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी ज्यादा संयमित और नियंत्रित दिखी। यह हेड की मशहूर 'ट्रैवबॉल' शैली नहीं थी, बल्कि एक ऐसी पारी थी जिसमें धैर्य, सही शॉट चयन और हालात पर पूरा नियंत्रण नजर आया। 99 रन पर इंग्लैंड को एकमात्र मौका मिला, जब डीप पॉइंट फील्डर अंदर आया और हैरी ब्रूक ने गली में कैच टपका दिया। इसके अलावा हेड ने गैप्स में शॉट खेलते हुए और चौथे गेंदबाज विल जैक्स के खिलाफ चुनिंदा आक्रामकता दिखाते हुए आसानी से रन बटोरे। इससे पहले इंग्लैंड की पारी में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने संघर्ष जरूर दिखाया। तीसरे दिन की सुबह दोनों ने जुझारू अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखी। स्टोक्स ने 159 गेंदों में अपना सबसे धीमा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया, जबकि आर्चर ने मौके मिलने पर आक्रामक शॉट लगाए। दोनों के बीच नौवें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड के घाटे को कुछ हद तक कम किया।

विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी: चक्रवर्ती

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 'जियोस्टार' के 'फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा, ''विश्व कप की तैयारी के लिए खुद पर लगातार दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है। कर्नाटक में जन्मे इस गेंदबाज ने कहा, ''जब कोई चुनौती न हो तब भी आपको खुद को चुनौती देनी होगी। अगर कोई मैच आसान लगे तो आपको मानसिक रूप से दबाव बनाना होगा और खुद को चुनौती देना शुरू करना होगा। उन्होंने कहा, '' उनके लिए आत्मविश्वास, सही लेंथ पर गेंदबाजी करना और विपक्षी टीम को समझना बहुत जरूरी है। यह एक अहम बात है जिसे मैं विश्व कप में ध्यान में रखना चाहता हूं। विपक्षी टीम को बेहतर ढंग से समझने से मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। चक्रवर्ती ने कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहना और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी हालिया सफलता की कुंजी रही है। उन्होंने कहा, ''मेरी योजना काफी सरल है, बुनियादी बातों पर ध्यान देना और अपनी लेंथ पर गेंदबाजी करना। कभी-कभी यह कारगर साबित होता है और शुक्र है कि पिछले तीन मैचों में यह कारगर रहा है।

कॉनवे का दोहरा शतक, न्यूजीलैंड ने 8 विकेट पर 575 रन बनाकर की पारी घोषित, वेस्टइंडीज की मजबूत शुरुआत

एजेंसी

माउंट माउंगानुई। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के शानदार दोहरे शतक (227) की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित कर दी। जवाब में वेस्टइंडीज ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 110 रन बना लिए हैं, लेकिन वह अब भी 465 रन पीछे है। वेस्टइंडीज के ओपनर ब्रैंडन किंग और जॉन कैंपबेल ने फीकी रोशनी में 23 ओवर संभलकर बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को कोई सफलता नहीं लेने दी। किंग 55 और कैंपबेल 45 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने सपाट बे ओवल विकेट पर नए गेंद को अच्छे से खेलते हुए तेजी से रन भी बटोरे। किंग ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 62 गेंदों पर 9

चौके लगाए, जबकि कैंपबेल ने 60 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 45 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड की पारी की रीढ़ बने डेवोन कॉनवे ने 227 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। उन्होंने 316 गेंदों में 28 चौकों की मदद से अपना दूसरा टेस्ट दोहरा शतक पूरा किया। रचिन रविंद्र ने अंत में आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन नाबाद बनाए, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। एजाज़ पटेल ने भी 30 रन की तेज पारी खेली। इन पारियों के दम पर कप्तान टॉम लैथम ने गेंदबाज़ों को एक घंटे से अधिक समय दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जस्टिन ग्रीव्स सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 29 ओवर में 83 रन देकर 2 विकेट लिए। जायडन सील्स और एंडरसन फिलिप ने भी दो-दो विकेट झटके। चोटों से जूझ रही वेस्टइंडीज टीम के लिए यह संघर्षपूर्ण प्रयास रहा। ग्रीव्स ने कहा कि कठिन हालात के बावजूद गेंदबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन किया। मैच के दौरान वेस्टइंडीज को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। केमार रोच हैमस्ट्रिंग चोट के कारण फिट नहीं हैं और उनके बल्लेबाज़ी करने पर भी संशय है, जबकि शाई होप बीमारी के चलते टीम होटल में ही रहे। कैंपबेल भी दाहिने हाथ में चोट के बावजूद बल्लेबाज़ी के लिए उतरे। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान वेस्टइंडीज ने कुछ मौके गंवाए। कवेम हॉज ने कॉनवे को 206 रन पर जीवनदान दिया, जबकि डेरिल मिचेल को भी शुरुआती स्कोर पर कैच छोड़ दिया गया। हालांकि, सील्स की धारदार गेंदबाज़ी ने दोपहर बाद कुछ विकेट दिलाए।

संक्षिप्त समाचार

दो बार के ओलंपिक रजत पदक विजेता बेदनारेक भारतीय एथलीटों का मार्गदर्शन करने के इच्छुक

कोलकाता। भारतीय एथलेटिक्स में तेजी से हो रही प्रगति से उत्साहित दो बार के ओलंपिक रजत पदक विजेता फर्राटा धावक केनी बेदनारेक ने कहा कि वे देश में खेल के विकास में योगदान देने के लिए युवा एथलीटों के साथ अपना अनुभव साझा करने या उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए तैयार हैं। नीरज चोपड़ा के ओलंपिक स्वर्ण पदक के बाद से भारतीय एथलेटिक्स में जबरदस्त उछाल आया है। सचिन यादव, किशोर जेना और अनु रानी जैसे उभरते भाला फेंक खिलाड़ियों के साथ-साथ स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले, बाधा धाविका ज्योति याराजी और लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ने भी ख्याति प्राप्त की है। 'टाटा स्टील वर्ल्ड 25के' कोलकाता दौड़ के अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा दूत बेदनारेक ने बृहस्पतिवार को कहा, ''भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सही कोचिंग, प्रशिक्षण संरचना और 'रिकवरी' प्रणाली के साथ यहां के एथलीट वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। अमेरिका के इस 27 साल के खिलाड़ी ने भारतीय खेल जगत से दीर्घकालिक जुड़ाव पर कहा, '' मैं हमेशा सार्थक योगदान देने के लिए तत्पर हूं, चाहे वह बातचीत के माध्यम से हो, मार्गदर्शन के माध्यम से हो या अनुभव साझा करना हो। खेल में जीवन बदलने की शक्ति है और अगर मेरी उपस्थिति भारत में इस यात्रा में सहायक होती है तो मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व होगा। विश्व के शीर्ष फर्राटा धावकों में शुमार बेदनारेक तोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में दो बार के ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक विजेता हैं। डायमंड लीग में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बेदनारेक का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 19.49 सेकंड है। उन्होंने कहा, ''खेल के प्रति भारत का जुनून स्पष्ट है। चाहे एथलेटिक्स हो, फुटबॉल हो, क्रिकेट हो या लंबी दूरी की दौड़ हो। प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक भावना के प्रति लोगों में सच्चा प्रेम है। इस तरह के आयोजन दिखाते हैं कि खेल कैसे उम्र, पृष्ठभूमि और क्षमता की परवाह किए बिना लोगों को एकजुट कर सकता है। कोलकाता में होने वाली 25 किलो मीटर की दौड़ पर उन्होंने कहा, '' यह सिर्फ एक दौड़ नहीं, बल्कि एक उत्सव है। इसमें हजारों की संख्या में एलीट, एमेच्योर और पहली बार दौड़ने वाले धावक शामिल हैं। सभी को एक ही रास्ते पर दौड़ते देखना प्रेरणादायक है। मैं रविवार को दौड़ के दिन को करीब से देखने और धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

गांगुली ने मेस्सी के कोलकाता दौरे पर विवाद मामले में 50 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने लियोनेल मेस्सी विवाद में उनका नाम 'झूठे' तरीके से घसीटने और अपने बारे में अपमानजनक सार्वजनिक बयान देने के आरोप में कोलकाता स्थित एक फुटबॉल प्रशंसक क्लब के अधिकारी पर 50 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। क्रिकेटर से खेल प्रशासक बने गांगुली ने बृहस्पतिवार को 'अर्जेंटीना फुटबॉल फैन क्लब' के उत्तम साहा के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। गांगुली ने 'बताया, ''मैंने पुलिस में शिकायत के अलावा फुटबॉल प्रशंसक क्लब के इस अधिकारी को 50 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा है। वह जो मन में आता है, वह कहते रहते हैं।' साहा ने एक पत्रकार से बातचीत में गांगुली पर मेस्सी के 'जीओएटी इंडिया टूर' का मुख्य आयोजक होने का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि गिरफ्तार मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता केवल एक मोहरा है। कोलकाता पुलिस के साइबर सेल को भेजे गए अपने ईमेल शिकायत में गांगुली ने कहा कि उस व्यक्ति के बयानों ने उनकी प्रतिष्ठा और मानसिक शांति को प्रभावित किया है। अपने ईमेल में गांगुली ने कहा कि अपने कई दशकों के पेशेवर करियर में उन्होंने देश और दुनिया भर में एक खिलाड़ी और खेल प्रशासक के रूप में ख्याति अर्जित की है और ये 'बेबुनियाद' बयान उनकी इस छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। गांगुली को 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी मेस्सी और उनके दल को सम्मानित करने के लिए मंच पर उपस्थित रहना था, लेकिन मेस्सी के स्टेडियम से समय से पहले चले जाने के बाद साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों द्वारा मचाई गई व्यापक हिंसा के मद्देनजर कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

चावला के चार विकेट से अबूधाबी नाइट राइडर्स ने गल्फ जायंट्स को हराया

अबूधाबी। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला (27 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर अबूधाबी नाइट राइडर्स ने इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) मैच में गल्फ जायंट्स को चार गेंद शेष रहते चार विकेट से शिकस्त दी। टीम सात मैचों में तीसरी जीत के बाद छह अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी। रहमानुल्लाह गुरबाज की 45 गेंद में 72 रन की पारी से गल्फ जायंट्स ने बृहस्पतिवार को सात विकेट पर 165 रन बनाये लेकिन नाइट राइडर्स ने 19.2 गेंद में छह विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (39 गेंद में 46 रन) और फिल सॉल्ट (24 गेंद में 35 रन) ने पहले विकेट के लिए 44 गेंद में 61 रन की साझेदारी के साथ टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद शरफ़ेन रदरफोर्ड (22 गेंद में 30 रन) और आंद्रे रसेल (13 गेंद में नाबाद 21 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिला दी। जायंट्स की ओर से तबरेज शम्सी ने तीन जबकि फ्रेड क्लासेन ने दो विकेट लिये। गुरबाज ने अपनी पारी में चार चौके और पांच छक्के जड़े लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका। चावला ने कप्तान जेम्स विंस (16 रन), मोईन अली (16 रन) और , अजमतुल्लाह ओमरजई (छह रन) और मैथ्यू फोर्ड (शून्य) के अहम विकेट लिये। उन्होंने ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार लेने के बाद कहा, '' जब मैंने शुरुआत की थी, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि क्रिकेट मेरा पेशा बन जाएगा। मैं तो बस इसका लुत्फ उठाता था लेकिन वह जुनून आज भी बरकरार है।

एग्जिम रूट्स की स्टॉक मार्केट में एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट का झटका

एजेंसी

नई दिल्ली। रद्दी कागज का कलेक्शन करने और रिसाइकलिंग के लिए उन्हें मिलों को सप्लाई करने का काम करने वाली कंपनी एग्जिम रूट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 25 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 110 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 114.50 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये गिर 104.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक लोअर सर्किट लगने के बावजूद 18.75 प्रतिशत के फायदे में नजर आ रहे हैं। एग्जिम रूट्स का 43.73 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 15.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 22.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 49,69,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने एरिस प्लेटफॉर्म को डेवलप और मेंटेन करने, ऑफिस स्पेस के लिए निवेश करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 37 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.20 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 7.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय 82 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 120.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की अवधि में कंपनी को 1.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

केरल के वित्त मंत्री ने उधारी सीमा में कटौती पर केंद्र सरकार की आलोचना की

तिरुवनंतपुरम। केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में राज्य की निर्धारित उधारी सीमा में 5,900 करोड़ रुपये की कटौती के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित और पूरी तरह अन्यायपूर्ण' बताया। बालगोपाल ने कहा कि इस 'केरल-विरोधी निर्णय' की जानकारी बुधवार रात केंद्र से प्राप्त एक पत्र के जरिए दी गई। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ल्ल्केंद्र का यह कदम केरल के विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर सीधा हमला है। वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े चार वर्षों से केरल पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है और अब विधानसभा चुनाव से ठीक तीन महीने पहले उधारी सीमा में इतनी बड़ी कटौती कर दी गई है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से सरकार के अंतिम महीनों में कल्याणकारी पहलों को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया है।

संसद में पारित बीमा विधेयक बीमा पॉलिसियों को सुलभ एवं किफायती बनाएगा : दुरईस्वामी

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) आर. दुरईस्वामी ने कहा कि संसद में इस हफ्ते पारित बीमा विधेयक क्षेत्र के विकास के लिए उत्प्रेरक साबित होगा। यह प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीमा पॉलिसियों को अधिक सुलभ एवं किफायती बनाने में मदद करेगा। एलआईसी के सीईओ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 'सबका बीमा सबकी रक्षा' (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक 2025 पॉलिसीधारकों की सुरक्षा तथा नियामक मजबूती पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि बीमा कानून इस क्षेत्र की ग्रोथ के लिए गेम-चेंजर साबित होगा और बीमा पॉलिसी को ज़्यादा सुलभ और सस्ता बनाने में मदद करेगा, क्योंकि इसका मकसद कॉम्पिटिशन को बढ़ावा देना है। दुरईस्वामी ने कहा कि पुरानी व्यवस्थाओं को अद्यतन करके और शासन मानदंडों को मजबूत करके ये संशोधन बीमा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं विवेकपूर्ण निगरानी को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अधिक परिचालन चपलता एवं नवाचार के लिए एक ढांचा प्रदान करता है। इससे बीमाकर्ताओं को सेवानिवृत्ति सुरक्षा, दीर्घायु समाधान और स्वास्थ्य-संबंधी सुरक्षा सहित बीमा की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले लक्षित उत्पादों को तैयार करने एवं वितरित करने की अनुमति मिलती है।

इंडिगो की उड़ानों में गड़बड़ी पर डीजीसीए सख्त, रिपोर्ट आने पर होगी सुधारात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में हालिया उड़ान गड़बड़ियों के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। डीजीसीए ने इंडिगो के शीतकालीन कार्यक्रम (शेड्यूल) में 10 फीसदी की कटौती की है। विमानन कंपनी इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यापक व्यवधान पर जांच समिति की रिपोर्ट पर गौर करने के बाद विस्तृत एवं सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीजीसीए की ओर से गठित चार सदस्यीय समिति के जल्द ही रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि इस तरह की व्यवधान की घटनाएं दोबारा न हों।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का दौर जारी है। सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी में भी आज 200 रुपये की मामूली उछाल दर्ज की गई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,34,850 रुपये से लेकर 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,23,610 रुपये से लेकर 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,11,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,35,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना

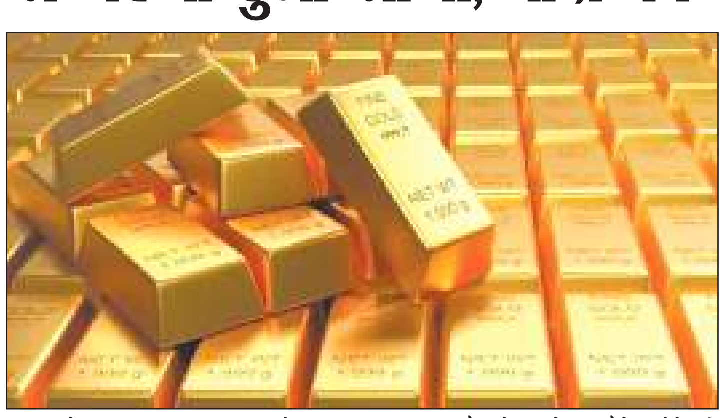

आज 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,34,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,23,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

राष्ट्रवाद और सामाजिक चेतना के पर्याय थे स्व बाबूलाल श्रीवास्तव: ओम प्रकाश

- राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रथम जिला संघ चालक स्व बाबूलाल की 31 वीं पुण्य तिथि पर नगर के बुद्धजीवियों ने अर्पित किया भावभीनी श्रद्धांजलि
- बाबूलाल जी के जीवन वृत्त पर एक पुस्तक का हुआ विमोचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ विधान सभा में जनसंघ के दीपक की रोशनी जन जन तक पहुंचाने वाले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पहले जिला संघ चालक की 31 वीं पुण्य तिथि को उनके निज आवास पर संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। स्व बाबूलाल श्रीवास्तव जनपद के जाने माने अधिकता थे और सन 1962 में जनसंगजके पहले विधायक बनकर विधान सभा पहुंचे। उनके पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश जी ,अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व न्यायाधीश उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पूर्व सलाहकार एसएस उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, भाजपा के जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, नगरपालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि विशाल सिंह और विभाग संघ चालक रमेश जी ने शिरकत किया। कार्यक्रम का संचालन अमितेंद्र श्रीवास्तव और स्व बाबूलाल के पुत्र पूर्व न्यायाधीश ज्ञान चंद्रा ने किया। विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने बाबूलाल के जीवन दर्शन को आत्मसात करने की बात कही उन्होंने कहा कि बाबूलाल ने जनपद में राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति के विरासत को बचाने के लिए जो संघर्ष किया और जनपद के लोगों में राष्ट्रवाद के प्रति जो चेतना पैदा किया उसे हमे भुलाना नहीं चाहिए बल्कि उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज में राष्ट्रवाद के संरक्षण के प्रति चेतना पैदा कराना ही उनके लिए श्रद्धांजलि होगी। राज्य पाल के पूर्व सलाहकार एसएस उपाध्याय कहा कि प्रतापगढ़ जनपद राष्ट्रीय संस्कृति, धर्म और राजनीति के विरासत को दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई। स्वामी करपात्री महराज, जगद्गुरु कृपालु महराज और राजा दिनेश सिंह , राय बजरंग बहादुर जैसी शख्सियत हमारे जनपद के गौरव रहे , ऐसे महापुरुषों की तरह स्व बाबूलाल जी का जनपद का गौरव बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा हमे अपनी विरासत को याद करने के लिए ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए ताकि आने वाली पीती का मार्ग प्रशस्त होता रहे। जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बाबूजी के जीवन दर्शन पर आधारित शोध प्रबंध जिसे अमेरिका में प्रकाशित किया गया उसको लोगों तक पहुंचाया जाय उसकी एक प्रति भाजपा कार्यालय के लाइब्रेरी में रखा गया है बताया। सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने कहा कि आज समाज में जो सुख की अनुभूति कर रहे है। हमारा जनपद राष्ट्रवाद की जिस संकल्पना को आगे बढ़ाया जा रहा है उसके मूल स्व बाबूलाल जी थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजा अनिल प्रताप सिंह ने कहा कि बाबूलाल जी का हमारे राजघराने से काफी करीबी रिश्ता रहा है। राजा अजीत प्रताप सिंह को जनसंघ से जोड़ने का अगर श्रेय किसी का था वह बाबूलाल जी का था। वह काफी विनोदी थे, चुटकुले में बड़ी सी बड़ी बात कह जाते थे। वह न्याय प्रिय और समय के पाबंद थे , राष्ट्रवाद के प्रति उनकी सच्ची भावना थी। इस अवसर पर उनके पुत्र पूर्व न्यायाधीश ज्ञान चंदा द्वारा उनके डायरी से संकलित जीवन दर्शन पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश जी और विभाग संघचालक रमेश जी को अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। गीतकार सुनील प्रभाकर ने सामाजिक चेतन पर आधारित अपने गीत से लोगो का मन मोह लिया । इस अवसर पर न्यायमूर्ति राजीव सिंह के पिता रमेश सिंह, राज नारायण सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉक्टर बृजभानु सिंह, प्राचार्य पीबी पीजी डॉक्टर अमित श्रीवास्तव, प्रोफ़ेसर डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा, संजीव आहूजा, रतन जैन, रवि प्रताप सिंह, मुन्ना सिंह , अभय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सौरभ पांडे, शीतांशु ओझा, डॉक्टर संजय कपूर, अनुराग मिश्रा, डॉक्टर क्षितिज श्रीवास्तव, डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव, डॉक्टर राजीव श्रीवास्तव, अंजली सिंह, डॉक्टर शंकर सहाय, अश्वनी श्रीवास्तव, डीजीसी राजस्व राघवेंद्र सिंह, गोकुल नाथ श्रीवास्तव, महामंत्री भाजपा राजेश सिंह, कार्तिकेय द्विवेदी, दुर्गेश तिवारी, अनुराग मिश्रा,संतोष खरे, समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य, विक्रम सिंह , दुर्गेश सिंह, पूर्व प्राचार्य अरुण श्रीवास्तव, नवनीत श्रीवास्तव एडवोकेट, रजत सक्सेना, अशोक सिंह, अश्वनी केशरवानी, इमरान, विनय श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे

सामूहिक बलात्कार के बाद जलाकर महिला की हत्या करने वाले चारों अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा

- थाना रजपुरा में वर्ष 2018 में हुई थी घटना- आरोपित बाल अपचारी का मामला अलग चलेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की गुन्नौर तहसील क्षेत्र में सामूहिक गैंगरेप के बाद जलाकर हुई महिला की हत्या के मामले में न्यायालय ने चारों अभियुक्तों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। अभियुक्तों को दोष सिद्ध होने पर न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेजा गया है। पांच आरोपियों में एक बाल अपचारी है, उसकी पत्रावली अलग कर दी गई है।

जनपद संभल की गुन्नौर तहसील क्षेत्र के थाना रजपुरा में वर्ष 2018 में महिला के साथ गैंगरेप कर जिंदा फूंकने के मामले में शुक्रवार को चारों आरोपियों को सजा सुनाई गई। थाना रजपुरा क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पति ने थाना पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें बताया कि उसकी गैरमौजूदगी में 13 जुलाई 2018 की रात करीब ढाई बजे गांव के ही आराम सिंह, महावीर, गुल्लू व भोना उर्फ कुमरपाल ने पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। भेद खुलने के डर से घर से 20 मीटर की दूरी पर स्थित मंदिर की झोपड़ी में ले गए और पत्नी को बंद करके आग लगा दी। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट)/अपर जिला एवं सत्र न्यायलय अवधेश कुमार सिंह के न्यायालय में चल रही थी। बुधवार को न्यायालय ने अभियुक्त आराम सिंह, भोना उर्फ कुमरपाल, गुल्लू उर्फ जयवीर व महावीर को धारा 147, 148, 376 डी, 302, 149, 201, 34 आईपीसी के अंतर्गत दोषी करार दिया था। इस मामले में जानकारी देते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरीश सैनी ने बताया कि रजपुर थाना क्षेत्र में सन 2018 में एक महिला के साथ गैंगरेप करके उसकी हत्या कर दी गई थी जिसमें आज जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह द्वारा चारों आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है तथा सभी पर अलग-अलग 112000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

25 दिसंबर तक औरैया में मनाया जाएगा सुशासन सप्ताह- प्रशासन गांव की ओर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया के अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अविनाश चन्द्र मौर्य ने बताया कि जनपद में 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह ऽ प्रशासन गांव की ओर का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना तथा लोक शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करना है। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत लोक शिकायतों के निस्तारण हेतु तहसील मुख्यालयों एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविर होंगे। इनमें स्टेट पोर्टल (आईजीआरएस) पर प्राप्त शिकायतों के साथ-साथ भारत सरकार की केन्द्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली में लंबित मामलों का भी निस्तारण किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न सर्विस डिलीवरी आवेदनों का निस्तारण तथा ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी सेवाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक नागरिक डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि 23 दिसंबर को जनपद स्तर पर एक कार्यशाला होगी। इसमें मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों तथा नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सुशासन सप्ताह के अंतर्गत शासनादेश के अनुसार गतिविधियां कर प्रतिदिन फोटोग्राफ सहित विवरण पोर्टल पर अपलोड करें।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

औरैया में फार्मर रजिस्ट्री का काम बेहद सुस्त, बैठक में जिलाधिकारी ने की योजनाओं की समीक्षा

- औरैया में कल्याणकारी योजनाओं की कम प्रगति से जिलाधिकारी नाराज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जूम मीटिंग के माध्यम से विभिन्न विभागीय योजनाओं व कार्यों की समीक्षा की। फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में कम प्रगति पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि विभाग में तैनात एटीएम व बीटीएम को लक्ष्य निर्धारित कर प्रतिदिन समीक्षा करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों को संतृप्त किए जाने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को सात दिन में कार्य योजना का आगणन कर सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता विद्युत को फीडरवार प्रतिदिन आपूर्ति की सूचना उपलब्ध कराने तथा किसानों को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निर्बाध बिजली देने को कहा गया। सिंचाई व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने नहरों व रजवाहों में पूर्ण क्षमता से पानी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिशासी अभियंता सिंचाई (भोगनीपुर प्रखंड) को प्रतिदिन प्रातः 10 बजे जूम मीटिंग में जुड़ने हेतु पत्र जारी करने के आदेश दिए गए। निराश्रित गोवंशों को पकड़ कर गोआश्रय स्थलों में संरक्षित करने में लापरवाही बरतने वाले खंड विकास अधिकारियों को चेतावनी जारी करने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिए गए। वहीं 05वें एवं 15वें वित्त के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 90 प्रतिशत से कम मैपिंग वाले बूथों पर दो दिन में लक्ष्य पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

रक्तदान शिविर में 75 व्यापारियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। जल-दान, अन्न-दान, धन-दान एवं पुष्प-दान की सदियों पुरानी परंपरा को नई दिशा देते हुए वाराणसी के मलदहिया स्थित श्रीनीलकंठ महादेव मंदिर एवं श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में विगत 14 वर्षों से रक्तदान को सेवा और साधना के रूप में अपनाया जा रहा है। इस मानवीय परंपरा के माध्यम से श्रद्धालु अपना रक्त भगवान के चरणों में अर्पित कर समाज के जरूरतमंदों के लिए जीवन का संचार कर रहे हैं। इस सेवा-प्रधान कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एडीसीपी टी. सरवन (वाराणसी कमिश्नरेट) एवं विशिष्ट अतिथि महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा उपस्थित रहे। मंदिरों के 14 वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय साईं उत्सवऽ2024 के अंतर्गत प्रथम दिन रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तथा आयुष चिकित्सा के अंतर्गत नाड़ी परीक्षण के पश्चात औषधि वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। लोहा मंडी में कन्नौजिया स्टील प्रतिष्ठान के गुलशन कुमार और रजनीश ने कहा कि प्रतिवर्ष व्यापारी संगठन के पदाधिकारी एवं व्यापारियों के सहयोग से श्री शिरडी साईं बाबा मंदिर पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। इसमें व्यापारी समाज के अलावा आसपास के परिवारों से बड़ी संख्या में लोगों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया। शुगर, बीपी जैसी समस्याओं के लिए चिकित्सकों ने दवाएं बताएं। सर्दी से बचने के उपाय भी बताएं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ उठाया। इसी के साथ रक्तदान शिविर का भी आयोजन हुआ, जिसमें लोगों ने देश समाज के नाम पर रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में 75 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। साथ ही बड़ी संख्या में नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

वाराणसी में लगातार दूसरे दिन कोहरे और धुंध से जनजीवन ठहरा, स्कूलों के समय में परिवर्तन

- ठंड में सड़कों पर ठिठुरते लोगों को हाल जिलाधिकारी ने जाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों में शुक्रवार को भी कोहरे और धुंध से जनजीवन अलसाया दिखा। हालांकि कोहरा बहुत घना नही रहा लेकिन धुंध और ठंड से सड़कों पर सुबह लोग आवश्यक कार्यो से ही बाहर निकल रहे थे। धुंध और घने कोहरे के साथ सर्द मौसम को देखते हुए प्रदेश प्रशासन के निर्देश पर स्कूलों का समय बदल दिया गया है। वाराणसी सहित सभी जिलों में स्कूलों का समय सुबह दस बजे से तीन बजे तक कर दिया गया है। यह आदेश प्री-प्राइमरी से कक्षा-12 तक के सभी राजकीय, परिषदीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, निजी मान्यता प्राप्त, सीआईएसई बोर्ड, आइसीएसई सहित अन्य बोर्ड के समस्त विद्यालय पर अगले आदेश तक लागू होगा। बताते चले मौसम विभाग ने प्रदेश में भीषण ठंड और घने कोहरे की चेतावनी पहले ही जारी कर दी थी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वातावरण में नमी की वजह से प्रदूषक तत्व नीचे आ जाते हैं। चूंकि वर्तमान में मौसम की स्थिति मध्यम प्रदूषण वाली है, इसलिए सुबह देर तक धुंध और कोहरा छाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार ये परिस्थितियां अगले दो से तीन दिनों तक बनी रहने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप शीत भी बढ़ेगी। इसलिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पछुआ हवाओं के चलने के कारण रात में अब ठंड बढ़ गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ आंचलिक कार्यालय के अनुसार वाराणसी में दिसंबर में छह वर्षों बाद अधिकतम तापमान इतना नीचे गिरा है। उधर, घने कोहरे और धुंध से सड़कों पर दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को बेहद धीमी गति से वाहन चलाना पड़ रहा है। इसका बड़ा असर विमान सेवाओं के साथ-साथ रेल यातायात पर दिख रहा है। दिल्ली और मुंबई से आने वाली ट्रेनें देरी से वाराणसी पहुंच रही हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग,मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के अनुसार निम्न क्षोभमंडल में व्युत्क्रम परत की उपस्थिति के कारण आई स्थिरता के साथ देश के पश्चिमी एवं सलंग्न मध्य क्षोभ मंडल तक विस्तृत प्रति चक्रवात (एंटी साइक्लोन) तथा उपरी क्षोभमंडल में उत्तर भारत से गुजर रही उष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के प्रभाव से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अत्यंत घना कोहरा दर्ज किया गया है। जो दिन में देर तक बना रह रहा है। जिसके चलते पिछले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में उतार चढ़ाव हो रहा है। प्रदेश ?के कई हिस्सों में यह सामान्य से नीचे चला गया। बताया गया कि न्यूनतम तापमान में कोई परिवर्तन नही हुआ है। ऐसी मौसमी परिस्थितियां आगामी दो–तीन दिनों तक रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होने पर अधिकतम तापमान का सामान्य से विचलन माइनस 4.5 से माइनस 6.4 डिग्री सेल्सियस हो तो ऐसी स्थिति को कोल्ड डे (शीत दिवस) कहते है। कुछ ऐसा ही मौसम धर्म नगरी वाराणसी में है। वाराणसी में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देख जिला प्रशासन भी सतर्क है। शहर में ठंड से ठिठुरते लोगों को हाल जानने के लिए जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार गुरूवार देर रात सड़कों पर निकले। उन्होंने सिकरौल, परमानंदपुर तथा पांडेयपुर चौराहे पर रैन बसेरा में रह लोगों सहित सड़कों के किनारे, विशेष रूप से पांडेयपुर फ्लाईओवर के नीचे रह रहे लोगों की सुध ली। उन्होंने ठंड के दौरान सड़कों पर लोगों को न रहने के लिए अपील करते हुए कहां की जिनके पास यदि रहने की व्यवस्था न हो, तो अपने नजदीकी रैन बसेरे में रात्रि निवास करें। उन्होंने रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान वहां रह रहे लोगों से भी बात की। मौके पर मौजूद नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि रैनबसेरे में रह रहे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। स्वच्छ बिस्तर के अलावा सफाई व्यवस्था के साथ ही शौचालय की समुचित व्यवस्था प्रत्येक दशा में सुनिश्चित होनी चाहिए। अलाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराए जाने का उन्होंने निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल भी मौजूद रहे।

सोमवती अमावस्या मेले के लिए आज से चित्रकूट को चलेंगी 20 रोडवेज बसें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद से चित्रकूट धाम में पौष सोमवती अमावस्या मेला पर यात्रियों की सहूलियत के लिए डिपो ने 20 बसों का बेड़ा लगाया गया है। जिससे श्रद्धालुओं को सुगम यातायात उपलब्ध होगा। मेले को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ताकि पर्व के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। वहीं रेलवे ने तीन दिन के लिए मेला स्पेशल दो ट्रेनों का संचालन गुरुवार से शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के महोबा डिपो के बेड़े में कुल 137 बसें शामिल हैं। जिनमें निगम की 122 और 15 अनुबंधित बसें हैं। जो हमीरपुर, बांदा, जालौन, राठ, कानपुर, लखनऊ, बरेली, बलिया, प्रयागराज, दिल्ली आदि रूटों पर प्रतिदिन फर्राटा भरती हैं। शुक्रवार को डिपो प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आज से पौष माह की सोमवती अमावस्या पर चित्रकूट के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 20 बसों की व्यवस्था की गई है। बसों को रूट पर दौड़ाने से पहले वर्कशॉप में जांच कर निकाले जाने को कहा निर्देश दिए गए हैं। सोमवती अमावस्या होने के कारण चित्रकूट जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी। वहीं रेलवे ने भी चित्रकूट के धार्मिक मेले को लेकर तैयारी कर ली है। झांसी मंडल के जन संपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि चित्रकूट मेले को लेकर दो स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह ट्रेनें 20 दिसंबर तक चलेंगी। यात्रियों की संख्या को देखते हुए झांसी-बांदा मेमू को चित्रकूट तक विस्तारित किया जाएगा।